



# भारत का शाही पत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 5, 1989 (श्रावण 14, 1911)  
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 5, 1989 (SAVANA 14, 1911)

इस भाग में सिंह पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अस्त्र अस्त्र के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 4

#### [PART III—SECTION 4]

सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं :

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

दि ईस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 जुलाई, 1989

(चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स)

नं. 1-मी०ग.०(7)।८०—चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स विनियम 1989 में कठिनपद संशोधन का निम्नलिखित प्राप्त जो चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स अधिनियम, 1949 (सन् 1949 का XXXVIII) की धारा 30 की उपचारा (1) तथा (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों के क्रियान्वयन के कलस्थरूप प्रस्तावित किया गया है और इससे प्रभावित होने वाले सभी अधिकारों की जामानारों के लिए प्रकाशित किया गया और एतद्वारा सूचित किया जाना है कि उन प्राप्त 15 मित्रमंत्र, 1989 को प्रभाव उसके उपरस्त विचारार्थी स्वीकार किया जाएगा।

कठिन प्राप्त के संबंध में किसी भी अधिकार से निर्धारित तिथि से पूर्व प्राप्त किसी भी आपत्ति वथवा भुक्ताव पर ईस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली की कोमिशन द्वारा विचार किया जाएगा।

1. इन विनियमों को चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स (तीरीय संशोधन) विनियम, 1989 के रूप में माना जाएगा।

2. कोमिशन द्वारा निर्धारित तिथि से इन विनियमों को लागू माना जाएगा।

3. कठिन विनियमों में:-

(1) वर्तमान विनियम 23, 24, 25 तथा 26 को निम्नलिखित अनुसार प्रतिस्थापित किया गया

“23(1) एकेस परीक्षा में प्रवेश

एन्ड्रेग परीक्षा में किसी भी प्रत्यार्थी को नव सक प्रवेश मही

विया जाएगा जब तक उसने विनियम 2 के उप विनियम (1) के अनुच्छेद (9) के प्रावधानों के तहत स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण न कर ली हो अथवा स्नातकीय पाठ्यक्रम प्राप्त कर रहा हो।

वर्षां जो प्रत्याशी 1 जनवरी, 1985 के उपरान्त समाप्त एन्ट्रेन्स परीक्षा में बैठा हो और तीन वार कथित परीक्षा में अनुसूची हुआ है उसे एन्ट्रेन्स परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

### (2) एन्ट्रेन्स परीक्षा हेतु प्रवेश शुल्क

सभी प्रत्याशियों को एन्ट्रेन्स परीक्षा में प्रवेशार्थी शुल्क का भुगतान करना होगा जो समय-समय पर कौसिल द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

### (3) एन्ट्रेन्स परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

एन्ट्रेन्स परीक्षा में प्रवेशार्थी प्रत्याशियों की उन विषयों में परीक्षा ली जाएगी जिसका निर्धारण अनुसूची "बी" के पैरा 1 में किया गया है।

(4) इन विनियमों में किसी भी उल्लेख के बावजूद कौसिल को यह अधिकार होगा कि वह फाउंडेशन परीक्षा शुरू होने के उपरान्त किसी भी समय एन्ट्रेन्स परीक्षा को समाप्त कर दे।

## 24. फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण

(1) किसी भी प्रत्याशी को फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए तब तक पंजीकृत नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने भारत में विधि सम्मत रूप से गठित किसी परीक्षा संस्था द्वारा संचालित सीनियर सेकेन्डरी परीक्षा अथवा उसके समकक्ष समझी जाने वाली केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण न करनी हो। उपरोक्त उप विनियम (1) में किसी भी उल्लेख के बावजूद अगर कोई व्यक्ति अपनी अंतिम सीनियर सेकेन्डरी परीक्षा अथवा उसके समकक्ष समझी जाने वाली सरकार अथवा कौसिल द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी परीक्षा में बैठा है उसे भी कौसिल के तत्त्वाधारान में गठित कोर्चिंग संगठन द्वारा फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए अंतरिम रूप से पंजीकृत कर दिया जाएगा।

वर्षों तियां अधिकत को अंतरिम पंजीकरण किया गया उसने अंतरिम पंजीकरण से 6 महीने के अन्दर कोर्चिंग संगठन को इस आशय के संतोषजनक प्रमाण दे दिए हैं कि उसने कथित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। जो व्यक्ति उपरोक्त निर्धारित अवधि के इस प्रकार के प्रमाण प्रस्तुत करने में असफल रहेगा उसका अंतरिम पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा और जो भी पंजीकरण शुल्क अथवा प्रत्याशा शुल्क उसने दिया है उसका कोई भी भाग बापस भर्ती किया जाएगा तथा इन विनियमों के उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसके द्वारा प्राप्त सैद्धांतिक निर्देशों को किसी भी प्रकार की मान्यता नहीं दी जाएगी।

(3) फाउंडेशन पाठ्यक्रम में प्रवेश से पूर्व प्रत्याशियों को शुल्क का भुगतान करना होगा जो समय-समय पर कौसिल द्वारा निर्धारित किया गया हो।

### 25. (1) फाउंडेशन परीक्षा में प्रवेश

किसी भी प्रत्याशी को फाउंडेशन परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि वह किसी भी नाम से जानेवाले

कोर्चिंग संगठन के प्रधान से इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत न करता कि वह कोर्चिंग संगठन के पास पंजीकृत हुआ है और उसने डाक प्रशिक्षा योजना के सम्बन्ध में सभी आवश्यक निर्देशों का पालन किया है।

किन्तु फिर भी 100 अंक वाले एकाउंटेंसी के विषय सहित कामसे प्रेजुएट्स जिसमें उसने कुल 60 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं, तथा 100 अंक वाले गणित विषय सहित अन्य प्रेजुएट्स जिसमें उसने कुल 70 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं, को फाउंडेशन परीक्षा नहीं देनी होगी। यदि अन्य रूप से उसको ग्राम माना गया तो उसे इन विनियमों के प्रावधानों के तहत निर्धारित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आटिकल्ड/आडिट क्लास के रूप में प्रत्यक्ष रूप से पंजीकृत किए जाने की अनुमति होगी।

### (2) फाउंडेशन परीक्षा के लिए प्रवेश शुल्क

प्रत्याशी को फाउंडेशन परीक्षा शुल्क का भुगतान करना होगा जो समय-समय पर कौसिल द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

### (3) फाउंडेशन परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम

प्रत्याशियों को फाउंडेशन परीक्षा के लिए अनुसूची "बी" के पैरा 1 ए में निर्धारित विषयों में परीक्षा देनी होगी।

### 26. इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रवेश

किसी भी प्रत्याशी को इंटरमीडिएट परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं मिलेगा जब तक कि उसने निम्नलिखित योग्यता न प्राप्त कर ली हो :—

(1) उसने या तो एन्ट्रेन्स परीक्षा या फाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो अथवा इन विनियमों के अधीन कथित परीक्षाओं में से किसी भी परीक्षा को उत्तीर्ण करने से उसे छूट प्राप्त हो गई हो।

(2) उसने आटिकल्ड क्लास के अधिकारी आडिट क्लास (आंशिक रूप से) अथवा आटिकल्ड क्लास (आंशिक रूप में) के रूप में 9 महीने की सेवा पूर्ण कर ली हो किन्तु परीक्षा शुरू होने थाने महीने के प्रथम दिन भी तीन महीने पूर्व सेवा पूर्ण कर लेना अनिवार्य होगा।

(3) किसी भी नाम, पद से जाने वाले कोर्चिंग संगठन के प्रधान से इस आशय का प्रमाण पत्र उसे प्रस्तुत करना होगा कि उसने डाक प्रशिक्षा योजना के मंवन्ध में सभी अपेक्षित आवश्यकताओं को पूर्ण कर दिया है :—

वर्षां कि उक्त प्रमाणपत्र उसके निर्गमन की तिथि, जो कोर्चिंग संगठन द्वारा निर्धारित किया जाएगा, से आकस्मित अवधि के लिए वैध होगा जिसके उपरान्त प्रत्याशी को उस सम्बन्ध में कोर्चिंग संस्थान द्वारा लागू की गई शर्तों के अनुसार सभी शर्तों को पूरा करने के बाद नवीन प्रमाणपत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

I. वर्तमान विनियम 28 तथा 29 में निम्नानुसार परिवर्तन किया गया है

28. इंटरमीडिएट परीक्षा हेतु पाठ्यक्रमः

- (1) 1 जनवरी, 1985 के उपरान्त सम्पन्न इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए प्रत्याशी को अनुसूची "बी" के पैरा 2 में निर्धारित समूह तथा विद्यों में दर्जा देनी होगी।
- (2) इन विनियमों में किसी भी उल्लेख के बावजूद कोसिन को यह अधिकार होगा कि वह अनुसूची "बी" के पैरा 2 में अंकित पाठ्यक्रम के अनुसार इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा।

29. अंतिम (काइनल) परीक्षा में प्रवेश

किसी भी प्रत्याशी को अंतिम (काइनल) परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं मिलेगा जब तक उसने—

- (1) उसने इन विनियमों अथवा चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स विनियम, 1964 के अधीन इंटरमीडिएट परीक्षा अथवा चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स विनियम 1949 के तहत इंटरमीडिएट अथवा प्रथम परीक्षा उत्तीर्ण की हो अथवा चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स विनियम, 1949 के अन्तर्गत प्रथम परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट मिल गई हो।
- (2) उसने सर्वस्य के रूप में प्रवेश के लिए अपेक्षित व्यावहारिक प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया है अथवा परीक्षा शुरू होने वाले महीने के प्रथम दिन से न्यूनतम 3 माह पूर्व व्यावहारिक प्रशिक्षण कम से कम 3 महीनों का प्रशिक्षण और प्राप्त करना है।

स्पष्टीकरणः

व्यावहारिक प्रशिक्षण की उत्तरी 3 महीनों की शेष अवधि को आकसिल करने समय आटिकल्ड परीक्षे के मामले में 138 विन से अधिक नहीं निए गए अवकाश और आटिक परीक्षे के मामले में 184 विन से अधिक नहीं अवकाश को ऐसी अवधि माना जाएगा कि उसने आटिकल्ड अथवा आटिक सेवा, जैसा भी मामला हो, के अन्तर्गत इस अवधि के लिए और प्रशिक्षण प्राप्त करना है।

(3) किसी भी माम अथवा पद से जाने वाले कोचिंग संस्थान के प्रश्नान से इस आशय का प्रमाणपत्र उसे प्रस्तुत करना होगा कि परीक्षा शुरू होने वाले महीने के प्रथम दिन से 6 महीने पूर्व भी न्यूनतम अवधि के लिए अंतिम पाठ्यक्रम में विद्यार्थी के रूप में उसका पंजीकरण किया जा चुका है।

- (4) इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने तथा अंतिम परीक्षा की प्रथम प्रस्तुति के मध्य न्यूनतम एक अंतिम परीक्षा का समय अंतराल अवश्य है।

III. वर्तमान विनियम 31 में निम्न अनुसार परिवर्तन किया गया है:—

31. अंतिम परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम

- (1) अंतिम परीक्षा के लिए प्रत्याशियों की अनुसूची "बी" के पैरा 3 में निर्धारित समूह तथा विषयों में परीक्षा ली जाएगी।
- (2) इन विनियमों में किसी भी उल्लेख के बावजूद कौआंसिल को यह अधिकार होगा कि इन विनियमों के तीसरे संशोधन से लागू होने के उपरान्त किसी भी समय अनुसूची "बी" के पैरा 3 में अंकित पाठ्यक्रम के अनुसार अंतिम परीक्षा लेना एक कठर हैं तथा अनुसूची "बी" के पैरा 3 ए में अंकित पाठ्यक्रम के अनुसार अंकित परीक्षा उत्तीर्ण करना प्रत्याशी के लिए आवश्यक होगा।

IV. वर्तमान विनियम 36, 37, तथा 38 में निम्न प्रकार में परिवर्तन कर पड़ा जाए:—

36. (1) एन्ड्रेस परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अहंता:—

साधारण या उस प्रत्याशी को एन्ड्रेस परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित माना जाएगा जिसने एक परीक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्रत्येक प्रश्नपत्र में प्राप्त किए हैं और सभी प्रश्नपत्रों को मिलाकर कुल अंकों का न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

(2) फाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अहंताएँ

फाउंडेशन परीक्षा में उस प्रत्याशी को उत्तीर्ण माना जाएगा जिसने एक परीक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्रत्येक प्रश्न पत्र में प्राप्त किए हैं और सभी प्रश्नपत्रों को मिलाकर कुल अंकों का न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

37. इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अहंताएँ:—

(1) इंटरमीडिएट परीक्षा में साधारणतया उस प्रत्याशी को उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा जिसने दोनों समूहों की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। वह दोनों समूहों में एक साथ बैठ सकते हैं अथवा एक परीक्षा में एक समूह में और किसी आगामी परीक्षा में शेष समूहों के लिए परीक्षा दे सकते हैं।

(2) दोनों समूहों में एक साथ उस प्रत्याशी को उत्तीर्ण घोषित माना जाएगा जिसने एक परीक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक दोनों समूहों के प्रत्येक प्रश्नपत्र में प्राप्त किए हैं और एक साथ लिए दोनों समूहों के सभी प्रश्नपत्रों में कुल न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अंकित किए हैं।

(3) जिस प्रत्याशी ने एक परीक्षा में समूह के प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक तथा उस समूह के सभी प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं उन्हें उस समूह में उत्तीर्ण घोषित माना जाएगा।

(4) जिस प्रत्याशी ने इंटरमीडिएट परीक्षा के दोनों समूहों में से किसी एक में परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो और जो परीक्षा इन विनियमों के तीसरे संशोधन से पूर्व सम्पन्न हुई है, उन प्रत्याशियों को इन विनियमों के तीसरे संशोधन के अधीन होने वाली इंटरमीडिएट परीक्षा में निम्नलिखित तालिका में निर्धारित प्रश्नपत्रों में बैठने से छूट प्राप्त होगी। इंटरमीडिएट परीक्षा में उसे भी उत्तीर्ण घोषित माना जाएगा जबकि उसने एक परीक्षा के अंतर्गत न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक शेष सभी प्रश्नपत्रों के प्रत्येक में प्राप्त किए हैं और सभी शेष प्रश्नपत्रों को एक साथ मिलाकर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।

अपार्टमेंट जिस प्रत्याशी को पांच प्रश्नपत्रों में बैठने से छूट प्राप्त होगी उसे कठित परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित माना जाएगा यदि उसने शेष पत्रों में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।

## तालिका ए

चार्टर्ड एकाउन्टेंट विनियम, १९६४ की अंतर्गत अनुसूची के तहत उत्तीर्ण इंटरमीडिएट परीक्षा के प्रश्नपत्र

इन विनियमों के तीसरे संशोधन के अंतर्गत किसी भी इंटरमीडिएट परीक्षा में छूट प्राप्त करने के लिए अधिकारी प्रत्याशी

## समूह—१

प्रश्नपत्र १ : एकाउन्टिंग

प्रश्नपत्र १ : एडवांसड एकाउन्टिंग (समूह-१)

प्रश्नपत्र २ : एकाउन्टिंग

प्रश्नपत्र १ : एडवांसड एकाउन्टिंग (समूह-१)

प्रश्नपत्र ३ : आर्डिटिंग

प्रश्नपत्र २ : आर्डिटिंग (समूह-१)

## समूह—२

प्रश्नपत्र ४ : कास्ट एकाउन्ट्स एंड स्टेटिस्टिक्स

प्रश्नपत्र ४ : कास्ट एकाउन्टिंग (समूह-२)

प्रश्नपत्र ५ : मर्केटिंग ला० एंड कमानी ला०

प्रश्नपत्र ३ : कार्पोरेट एंड अन्य ला० (समूह-१)

प्रश्नपत्र ६ : सामान्य वाणिज्यक ज्ञान

कुछ नहीं

## तालिका बी

चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स विनियम, १९६४ इन विनियमों में तीसरे संशोधन की अनुसूची भी “बी” के अंतर्गत किसी भी इंटरमीडिएट उत्तीर्ण इंटरमीडिएट परीक्षा के प्रश्नपत्र परीक्षा में छूट जिसके लिए प्रत्याशी अथवा सी० ए० विनियम, १९८८ अधिकारी होंगा।

की अनुसूची भी के अंतर्गत उत्तीर्ण

इंटरमीडिएट परीक्षा के प्रश्नपत्र

## समूह—१

प्रश्नपत्र १ : एकाउन्टिंग

प्रश्नपत्र १ : एडवांसड एकाउन्टिंग (समूह-१)

प्रश्नपत्र २० : कम्पनी एकाउन्ट्स २वीं एंड स्टेटिस्टिक्स

प्रश्नपत्र ५ : व्याकरण तथा वैन्द्रीय विक्षी कर (समूह-२)

प्रश्नपत्र ३ : कास्ट एकाउन्टिंग

प्रश्नपत्र ४ : कास्ट एकाउन्टिंग (समूह-२)

प्रश्नपत्र ४ : आर्डिटिंग

प्रश्नपत्र २ : आर्डिटिंग (समूह-१)

## समूह—२

प्रश्नपत्र ५ : मर्केटिंग ला० एंड इंडस्ट्रियल ला०

प्रश्नपत्र ३ : कार्पोरेट एंड अन्य ला०ज़ (समूह-१)

प्रश्नपत्र ६ : विजेस मैथेमेटिक्स एंड स्टेटिस्टिक्स

कुछ नहीं

प्रश्नपत्र ७ : आर्गेनाइजेशन एंड मैनेजमेंट एंड अर्थशास्त्र

प्रश्नपत्र ६ : आर्गेनाइजेशन एंड मैनेजमेंट तथा इलैक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग के फांडमेंट्स (समूह-२)

(५) जिन प्रत्याशियों ने इंटरमीडिएट परीक्षा के एक समूह की उत्तीर्ण कर लिया है किन्तु दोनों समूह उत्तीर्ण नहीं कर सके हैं उन पर ये विनियम तब तक यातू होते रहेंगे जब तक इन विनियमों के तीसरे संशोधन के अंतर्गत होने वाली इंटरमीडिएट परीक्षा मूल सही हो जाती ।

३८. अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने संबंधी अर्थताएं

(१) जो प्रत्याशी अंतिम परीक्षा के दोनों समूहों में उत्तीर्ण है उसे गाधारणकथा उत्तीर्ण घोषित माना जाएगा। इसे ही वह दोनों समूहों में एक साथ बैठा हो अब वा० एक परीक्षा के एक समूह में तथा शेष समूह में किसी आगामी परीक्षा में बैठा हो।

(२) जिस प्रत्याशी ने एक परीक्षा में दोनों समूहों के प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं तथा उस समूह के सभी प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं उन्हें दोनों समूहों में एक साथ उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

(३) जिस प्रत्याशी ने एक परीक्षा में समूह के प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और उस समूह के सभी प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं उन्हें उस समूह में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

(४) जिस प्रत्याशियों ने इन विनियमों के तृतीय संशोधन के पूर्व परीक्षा योजना के अंतर्गत संबंध अंतिम परीक्षा के किसी एक समूह में परीक्षा उत्तीर्ण की है किन्तु दोनों समूहों में नहीं कर सके हैं उन्हें अधोलिखित तालिका के अनुसार निर्धारित प्रश्नपत्रों में बैठने से छूट होगी जो इन विनियमों के तृतीय संशोधन के अंतर्गत होने वाली अंतिम परीक्षा से संबंधित होगी। उन्हें अंतिम परीक्षा में उत्तीर्ण तभी घोषित किया जाएगा वशर्ते कि उसने एक परीक्षा में शेष प्रश्नपत्रों के प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम ४० प्रतिशत अंक सत्रा एक साथ लिए गए शेष सभी प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वशर्ते कि प्रत्याशी ने सात प्रश्नपत्रों में बैठने से छूट प्राप्त कर ली है उसे कथित परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा किन्तु उसे शेष प्रश्नपत्रों में न्यूनतम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

## तालिका “सी”

चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स विनियम, १९६४ की अनुसूची “बी” के अंतर्गत उत्तीर्ण अंतिम परीक्षा के प्रश्नपत्र

इन विनियमों के तृतीय संशोधन के अंतर्गत किसी भी अंतिम परीक्षा में छूट, जिसके लिए प्रत्याशी अधिकारी होगा।

## समूह—१

प्रश्नपत्र १ : एडवांसड एकाउन्टिंग (समूह १)

प्रश्नपत्र २ : एडवांसड एकाउन्टिंग एवं मैनेजमेंट एकाउन्टिंग (समूह १)

प्रश्नपत्र ३ : कार्सिंग

प्रश्नपत्र ४ : आर्डिटिंग

प्रश्नपत्र ५ : टैक्सेशन

समूह २

प्रश्नपत्र ७ : काम्पनी नॉ०

प्रश्नपत्र १ : एडवांसड एकाउन्टिंग (समूह १)

प्रश्नपत्र २ : मैनेजमेंट एकाउन्टिंग (समूह १)

प्रश्नपत्र ५ : एडवांसड कार्सिंग एकाउन्टिंग (समूह २)

प्रश्नपत्र ३ : आर्डिटिंग (समूह १)

प्रश्नपत्र २ : प्रस्त्रकार (समूह २)

प्रश्नपत्र ४ : कार्पोरेट लॉज़ (समूह १)

## तालिका “बी”

सीन समूह प्रणाली के अंतर्गत 1 अनुबंध इस विनियमों के तृतीय संशोधन 1985 से पूर्व आईडे एकाउन्टेंट्स के अंतर्गत किसी भी अंतिम परीक्षा विनियम 1964 को अनुसूची “बी बी” में छूट जिसके लिए प्रत्याशी अधिकारी के अंतर्गत उत्तीर्ण अंतिम परीक्षा के होगा।

## प्रश्नपत्र

## समूह-1

प्रश्नपत्र 1 : एडवान्सड एकाउन्टिंग प्रश्नपत्र 1 : एडवान्सड एकाउन्टिंग (समूह 1)

प्रश्नपत्र 2 : फाइनेंसियल मैनेजमेंट प्रश्नपत्र 2 : मैनेजमेंट एकाउन्टिंग (समूह 1)

प्रश्नपत्र 3 : आईटिंग प्रश्नपत्र 3 : आईटिंग (समूह 1)

## समूह-2

प्रश्नपत्र 4 : कम्पनी लॉ प्रश्नपत्र 4 : कार्पोरेट लॉ (समूह 1)

प्रश्नपत्र 5 : प्रत्यक्ष कानून प्रश्नपत्र 5 : प्रत्यक्ष कानून (समूह 2)

## समूह-3

प्रश्नपत्र 6 : सिस्टम एनालिसिस, डाटा प्रोसेसिंग एवं व्या टिक्टेटिंग टेक्नीक (समूह 2)

प्रश्नपत्र 9 : कास्ट रिकाउन्ट एवं कास्ट कल्क्षन प्रश्नपत्र 6 : सिस्टम एनालिसिस, डाटा प्रोसेसिंग एवं व्या टिक्टेटिंग टेक्नीक (समूह 2)

## तालिका “ई”

आईडे एकाउन्टेंट विनियम, 1964 का अनुसूची “बी बी” के अंतर्गत उत्तीर्ण अंतिम परीक्षा अथवा इन विनियमों के तृतीय संशोधन लागू थाए जाने से पूर्व विनियम 1988 को समूह प्रणाली के अंतर्गत के तहत परीक्षा के प्रश्नपत्र

इन विनियमों के तृतीय संशोधन के अंतर्गत किसी भी अंतिम परीक्षा के अंतर्गत किसी भी अंतिम परीक्षा में छूट जिसके लिए प्रत्याशी अधिकारी होगा।

## समूह-1

प्रश्नपत्र 1 : एडवान्सड एकाउन्टिंग प्रश्नपत्र 1 : एडवान्सड एकाउन्टिंग (समूह 1)

प्रश्नपत्र 2 : मैनेजमेंट एकाउन्टिंग प्रश्नपत्र 2 : मैनेजमेंट एकाउन्टिंग (समूह 1)

प्रश्नपत्र 3 : आईटिंग प्रश्नपत्र 3 : आईटिंग (समूह)

प्रश्नपत्र 4 : कम्पनी लॉ प्रश्नपत्र 4 : कार्पोरेट लॉ (समूह 1)

## समूह-2

प्रश्नपत्र 5 : प्रत्यक्षकर नियम प्रश्नपत्र 7 : प्रत्यक्ष कर (समूह 2)

प्रश्नपत्र 6 : सिस्टम एनालिसिस, एवं डाटा प्रोसेसिंग

प्रश्नपत्र 8 : कास्टसिस्टम्स एवं कास्ट कल्क्षन

प्रश्नपत्र 6 : सिस्टम एनालिसिस, डाटा प्रोसेसिंग एवं स्क्रिटेटिंग टेक्नीक्स (समूह 2)

प्रश्नपत्र 5 : एडवान्सड कास्ट एकाउन्टिंग (समूह 2)

(5) जिस प्रत्याशी ने आईडे एकाउन्टेंट्स विनियम, 1988 के अंतर्गत अंतिम परीक्षा के किसी एक गम्भीर में मफ़्नता प्राप्त की है, तिन्हीं दोनों समूहों में जीर्णी कर सकते हैं उन प्रत्याशियों पर इन विनियमों के तृतीय संशोधन के अंतर्गत संपर्क होने वाली अंतिम परीक्षा के शुरू होने तक उस विनियमों के प्रावधानों ही लागू माने जाएंगे।

5. विनियम 43 के उप विनियम (6) को निकाल दिया गया है और उसके स्थान पर उप विनियम लागू किया गया है जिसका तथा नम्बर उप विनियम (6), (7), (8) तथा (9) है।

6. विनियम 43 के बर्तमान उप विनियम (8) के प्रावधानों को स्पष्टीकरण में निम्न प्रकार से संशोधन किया गया है :—

इस विनियम का उद्देश्य है कि जब कोई सदस्य विनियम 51 तथा 72 के तहत स्वीकृत वित्तीय, वाणिज्यिक अथवा औद्योगिक संस्थानों में एक अवधा अधिक में सेवा करने के उपरांत प्रैक्टिस को अपने मुख्य व्यवसाय के रूप में संहित अपनी प्रैक्टिस शुरू करता है वह तीन वर्षों में सतत प्रैक्टिस कर रहा है—पेसा माना जाएगा।

7. बर्तमान उप विनियम 45(1)/(बी) में निम्नलिखित सुधार किया गया है :—

(1) ऐसा कोई भी अधिकत :—

(1) आईटिंग के शुरू होने के दिन 18 वर्ष से कम का न हो।

(2) इन विनियमों के तहत या तो उसने फाउन्डेशन परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो या फाउन्डेशन परीक्षा उत्तीर्ण करने से उसको छूट प्राप्त हो गई हो।

वर्णन कि जिन स्नातक प्रत्याशियों ने प्लेटफॉर्म परीक्षा उत्तीर्ण की है उन्हें न्यूर्य को आईटिंग लकर्कॉर्ड के रूप में पंजीकृत किए जाने के लिए याहू य माना जाएगा।

8. विनियम 46 के बर्तमान उप विनियम (5) को निकालकर निम्न अनुसार संशोधन किया गया है जिसके नए नंबर परवर्ती उप विनियम (5), (6), तथा (7) होंगे।

9. विनियम 51 के बर्तमान उप विनियम (2) में निम्न अनुसार संशोधन किया गया है :—

(2) व्यवहारिक प्रशिक्षण को निर्धारित अवधि के विगत वर्ष के मध्य औद्योगिक प्रशिक्षण की अवधि 9 महीनों से 12 महीनों के मध्य की शुल्का मानी जाएगी।

10. विनियम 57 के बर्तमान उपलिनियम (3), उप विनियम (3) के रूप में परवर्ती उप विनियम (4) के नए नंबर में निम्न प्रकार से संशोधित किया गया है :—

(3) उत्तरांत उप विनियम (ए) अवधा उप विनियम (2) में उल्लिखित प्रत्येक मास में उप विनियम 46 के प्रावधान आवश्यक परिवर्तन सहित लागू माने जाएंगे रिंगु आईटिंग कल्क को किसी भी शुल्क का भुगतान नहीं करना होगा।

(प्रावधानों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है अतः यहां पर उनका उल्लेख नहीं किया गया है)

11. बर्तमान उप विनियम 60 को निम्न अनुसार परिवर्तित किया गया है।

60. आर्टिकल्ड कलर्के के लिए कार्यकारी थे

कौसिल द्वारा निर्गमित निर्देशों के अनुसार आर्टिकल्ड कलर्के के कार्यकारी थे प्रति सप्ताह 35 घण्टे होंगे जो समय पर प्रिसीपल द्वारा नियमित किए जाएंगे ।

12. वर्तमान उप विनियम 64 में निम्न अनुसार संशोधन किया गया है :

64. कौसिल को प्रतिवेदन

(1) प्रिसीपल आर्टिकल्ड कलर्के द्वारा लिए गए प्रशिक्षण का पूरा हिसाब किताब और उसकी प्रगति का रिकार्ड इस प्रकार रखेगा जो कौसिल द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा ।

(2) जब भी कौसिल द्वारा अनेकित समझा जाएगा प्रशिक्षण का पूरा रिकार्ड प्रिसीपल द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा । प्रिसीपल के निधन हो जाने पर उसके कामूनी प्रतिनिधि अथवा जीवित पार्टन उस रिकार्ड को कौसिल के पाल प्रस्तुत करेंगे, जैसे भी और जब भी कौसिल चाहेगी ।

13. विनियम 68 के वर्तमान उप विनियम (5) में निम्न अनुसार संशोधन किया गया ।

(5) आडिट कलर्के के रूप में किसी भी व्यक्ति को नियुक्त करने का अधिकार किसी भी सदस्य को होगा किन्तु उस व्यक्ति को नि-म्लिकित दर्ते जो इस बात पर निर्भर करेगा कि आडिट कलर्के का स्थान कहां है पर वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में न्यूनतम एकवर्षीयी अवधि के लिए अपने पास अथवा प्रेक्षित कर रहे चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स संस्थान, जिसमें वह पार्टनर है, में नियुक्त करने का अधिकार होगा :—

(ए) 10 लाख अथवा अधिक की रु. 750— प्रतिमास आवादी वारें शहरों में

(बी) वस लाख से कम आवादी रु. 500— प्रतिमास वारें शहरों/कस्बों में

#### स्पष्टीकरण

उप नियम के उद्देश्य के लिए आवादी के आंकड़ों का प्राकलन अंतिम प्रकाशित भारत की जनगणना प्रतिवेदन के आधार पर किया जाएगा ।

14. वर्तमान विनियम 69(1)(भी) में निम्न अनुसार संशोधन किया गया है :—

(भी) ऐसा कोई भी व्यक्ति

(1) आडिट सेवा शुरू करने के बिना 18 वर्ष से कम आयु का नहीं है ।

(2) फाउन्डेशन परीक्षा या तो उत्तीर्ण कर चुका है या इन विनियमों के तहत फाउन्डेशन परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट प्राप्त कर सका है ।

बास्तें जिन स्नातकों ने एन्ड्रेस परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है उन्हें आडिट कलर्के के रूप में स्वयं को पंजोड़त कराए जाने के लिए माहूर्य माना जाएगा ।

15. विनियम 60 के वर्तमान उप विनियम (5) को हटाकर नया नियम प्रकाशित उप विनियम (5) और (6) लागू किया गया है ।

16. विनियम 72 के वर्तमान उप विनियम (2) में निम्न प्रकार से मंशोदण किया गया है ।

(2) श्रौद्धोगिक प्रशिक्षण की अवधि व्यवहारिक प्रशिक्षण की निर्धारित अवधि के अंतिम वर्ष के मध्य 9 माह से 12 माह के मध्य होगा ।

17. अनुसूची "ए" में वर्तमान फार्म "10" के उपरांत निम्नलिखित "10" और जोड़ दें :—

फार्म 10 ए

(दोनों विनियम 40)

अनुक्रमांक.....

वि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया  
(प्रतिलिप)

फाउन्डेशन परीक्षा प्रमाणपत्र

यह अधिप्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी..... निवासी..... ने इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया द्वारा आयोजित फाउन्डेशन परीक्षा माह..... सन् 19.... में उत्तीर्ण कर ली है ।

आज दिन.....सन् 19.... को इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया द्वारा सामान्य मुहर के अंतर्गत प्रदत्त सील

सचिव

18. अनुसूची "बी" में

(1) फार्म 1 के धंत में निम्नलिखित नवा फार्म 1 ए जोड़े :—

1ए— फाउन्डेशन परीक्षा के लिए प्रशनपत्र एवं पाठ्यक्रम शाम का स्तर : बुनियादी ज्ञान

उद्देश्य : संदर्भात्मक ज्ञान प्राप्त कराने का विश्वास दिलाना औ व्यावसायिक परीक्षा की नींव मजबूत करने के उद्देश्य से पर्याप्त है ।

#### त्रिसूत विषय वस्तु :

1. मापन विषय, आय विषय के रूप में एकाउन्टिंग तथा सम्बद्ध एकाउन्टिंग विचार, अन्य एकाउन्टिंग विचार । अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी से एकाउन्टिंग का संबंध । समाज में एकाउन्टेंट की भूमिका ।

2. गलतियों के शुद्धीकरण सहित कभ्या चिट्ठा (द्रायल बैलेंस) संवार करने तथा अंतिम एकाउन्ट्स (गैर नियमित तत्व के लिए) तैयार करने के संबंध में एकाउन्टिंग प्रक्रिया ।

3. मूल्यांकन एकाउन्टिंग तथा उनकी पद्धतियाँ

4. इवेंट्सी वैल्यूशन

5. विशेष व्यवसाय कारबाई के लिए एकाउन्टिंग

(ए) प्रेषण

(बी) संयुक्त जोखिम

(सी) श्रौद्धतन नियत विधि, तथा

(डी) विल्स आफ एक्सचेंज एवं प्रामिजरी नोट्स

6. सेलफ बैलेंसिंग सेजर्स

7. भागीदारी एकाउन्ट्स में साधारण समस्याएं

8. प्राप्ति एवं भुगतान एकाउन्ट तथा आय एवं व्यय एकाउन्ट तथा तुलनपत्र जिसमें व्यावसायिक संस्थानों के एकाउन्क भी सम्मिलित हैं ।

## प्रश्नपत्र—2 मर्केटाइल लाई

(एक प्रश्नपत्र—समय 3 घंटे—100 अंक)

ज्ञान का स्तर : बुनियादी ज्ञान

उद्देश्य : विद्यार्थी के कानून संबंधी प्राप्तधाराओं की उन शास्त्रार्थी का ज्ञान हासिल कर लिया है जिसके लिए वे अपने अध्यवसायिक कार्यों के सामान्यतः लगे रहते हैं—इस ज्ञान का विश्वास विलाना होगा।

## विस्तृत विषय वस्तु

- भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 जिसमें इन्डेपिनेंटि तथा गारंटी, ईटर्मेंट एवं लेज प्राप्त एंजेंसी।
- भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932
- बस्तु बिक्री अधिनियम, 1930

## प्रश्नपत्र 3—गणित एवं सांकेतिकी

(एक प्रश्नपत्र—समय तीन घंटे—100 अंक)

ज्ञान का स्तर : बुनियादी ज्ञान

उद्देश्य : इस बात का विश्वास विलाना कि विद्यार्थी में इस आशय का बुनियादी समझ है कि उसने अध्यवसाय समस्याओं के संबंध में उनके प्रारंभिक क्रियान्वयन तथा महत्वपूर्ण परिमाणात्मक उपकरण के बारे में जानकारी हासिल कर ली है।

## विस्तृत विषय वस्तु

(अनुभाग ए—गणित—अंक 50)

- अंक आधार एवं शैद्धरा अंकगणित; प्रवृत्त आधार का परिवर्तन; दोहरी भिन्न।
- लाइनियर, क्लीनोटिक, एक्सपोनेंटियल एवं लागरियमिक फंक्शन 1 ट्रॉन-ईवन बाइल्स का विचार एवं निष्कर्षण।
- सीरिज सहित अंकगणित एवं रेखागणित अनुक्रम
- क्रम परिवर्तन एवं जोड़
- मैट्रीसेट—अर्थ और संचालन, मैट्रीक्स इन्वर्जन—मैट्रीक्स इन्वर्जन द्वारा साथ पाइटोल रिक्वेशन पद्धति द्वारा भी लाइनियर समीकरण की प्रणाली का समाधान
- दो परिवर्तनशील लाइनियर विषमताओं के ग्राफ
- कैलकुलस
  - ट्रिगनोमेट्री का प्रारंभिक ज्ञान : विद्यार्थी को छंटगरल कैलकुलस सीखने के लिए प्रोत्साहन देना जो उद्भूत एंगिल, अनिरिक्षित फार्मूले, मल्टीपल एवं सब मल्टीपल एंगिल, ट्रांसफोर्मेशन आदि समस्याएँ प्रोडक्शन एवं विलोमतः, इन्वर्जन मर्केनर की परिभाषा से संबद्ध ट्रिगनोमेट्रिक रेशों की योग्यता से किए गए हैं।
  - प्लॉमेट्रम आफ़ डिफ्रेनिशेशन, मिग्न एंटीकेशन आफ़ डिफ्रेनिशन बो-एफ्रिशिएट्रम, मैसीसी एंड मिनीमा आफ़ यूनीवरिएट फल्कन्स; रूस्य आफ़ इन्टीप्रेशन फॉर इन्डेफिनिट एंड डेकोनिट इंटीग्रल्स। एक नींविंग एवं बिजनेस समस्याओं के संबंध में सिम्प्ल एंटीकेशन आफ़ इंटीप्रेशन।

(अनुभाग बी—मांगिकी—अंक 50)

- आकड़ों का वर्गीकरण एवं तालिकाबद्धन
- सेल्स टेंडर्सी एवं डिसर्जन के मानवैद्य
- कोरिलेशन एवं रिप्रेशन (लाइनियर एवं बाईंवैरियट केवल)
- प्रोबेबिलिटी एवं एक्सपेक्टेड वैल्यू
- सैद्धांतिक वितरण के तत्व—ब्राइनोमियल पार्कमेन्ट, भार्मल
- मानक त्रुटियों का विचार, इंटरवल एस्टीमेशन डिटरमिनेशन आफ़ त्रैनिंग साइन, टैस्ट्स आफ़ हाईपोथेसिस, एतालिसिस आफ़ बेरिएस

## 7. टाइम सीरीज एवं फोर कास्टिंग

## 8. ईमेस नंबर्स

9. स्टैटिस्टिक्स इसीजस व्योरी, ऐ—आफ़ एंड रिप्रोट मैट्रीमेंट, गंभीरना के विषय तिर्यंग लेना तथा गंभीरना भर्ति तिर्यंग लेना।

## प्रश्नपत्र 4—अर्थशास्त्र

(एक प्रश्नपत्र—समय : 3 घंटे—अंक 100)

ज्ञान का स्तर : बुनियादी ज्ञान

उद्देश्य : (1) एकाउन्टेंट्स के लिए उपयोगी सीमा तक अर्थशास्त्र के सिद्धांत के गठन का बुनियादी ज्ञान, तथा

- इस बात का विश्वास विलाना कि विद्यार्थी देश के आर्थिक विकास से सुपरिचित हैं जो उस समय की सरकार जिसमें अर्थव्यवस्था लागू की गई है, से संबंधित है।

## विस्तृत विषय वस्तु :

## माइक्रो अर्थशास्त्र

- अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं उसका क्षेत्र, अर्थशास्त्र मार्केट एवं उनके प्रयोग
- मांग और पूर्ति, मांग और पूर्ति के नियम, मांग और पूर्ति की मूल्य सापेक्षता, मांग और पूर्ति को प्रभावित करने वाले तथ्य, मांग की अविष्यवाणी
- उत्पादन का अर्थ, उत्पादन के तत्व, उत्पादन के मापकेम, जौं आफ़ रिटर्न मेजर कम्पोनेंट्स औफ़ कास्ट्स
- बाजार के अर्थ, बाजार के प्रकार, मूल्य के सिद्धांत एवं विभिन्न बाजार प्रारूप एवं विभिन्न अर्थशास्त्र पद्धति में उत्पादन निर्धारण

## भारतीय माइक्रो अर्थशास्त्र पर्यावरण

- भारत में आर्थिक विकास—जनसंख्या एवं आर्थिक विकास
- भारत में कृषि एवं उद्योग की सामान्य रूपरेखा, भारत में आर्थिक प्रगति के लिए उद्योग एवं कृषि के अस्योन्याप्रित संबंध
- सरकार की औद्योगिक नीति, भारत में औद्योगिक विकास—समस्याएँ एवं संभावनाएँ
- भारत में राष्ट्रीय आय—सिद्धांत एवं क्रियान्वयन
- भारत में वित्तीय नीति
- भारतीय आर्थिक सिद्धांत—वाणिज्यिक बैंकों एवं भारतीय रिजर्व बैंकों के क्रियाकालाप
- भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार—नियांत एवं आयात, व्यापार के शैषण एवं भूगोल
- (ii) ऐंग 2 के अंत में निम्नलिखित नगा पैरा “2ए” जोड़ें  
“2ए” : इंटरनीशनल परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र एवं पाद्यक्रम

## [सभूह—1]

## प्रश्नपत्र 1—एडवान्सड एकाउन्टिंग

(एक प्रश्नपत्र—समय 3 घंटे—अंक 100)

ज्ञान का स्तर : कार्यकारी ज्ञान]

उद्देश्य : विद्यार्थी की इस आशय की योग्यता की परीक्षा लेना कि वह प्रश्नान्वित कानूनी अवेक्षाओं एवं व्यावसायिक मानकों के अनुसार व्यावसायिक तथा अन्य संस्थानों के वित्तीय मानकों एवं आर्थिक सौदों को प्रभावित करने वाले एकाउन्टिंग रिकाउंस एवं अंतिम एकाउन्ट्स रीयार कर सकते के योग्य हैं।

## विस्तृत विषय वस्तु

- विभागीय एकाउन्ट्स प्राचं एकाउन्ट्स (विदेशी शाखाओं सहित), रायल्टी, किराया-धारीक एवं किस आधार पर बिक्री सौदे; इस्टेटमेंट एकाउन्ट्स पैकेज एवं एम्पटीज, गुड्स आय सेल अवश्या रिटर्न बायेज

एकाउन्ट्स, कान्ट्रेस्ट एकाउन्ट्स, स्टाफ की अति अद्यता लाभ की क्षमता के लिए बीमा दावों का आकलन।

2. फूटिंग फार्मों के एकाउन्ट्स
3. भारतीय एकाउन्ट्स की उच्चस्तरीय समस्याएं (जिसमें समाप्ति एवं कम्पनी में परिवर्तन भी सम्मिलित हैं)।
4. कंपनी एकाउन्ट्स—योग्यते एवं डिवेलपर्स का निर्गमन एवं योग्यते तथा डिवेलपर्स की पुनः प्राप्ति, कम्पनी के कंपनी एकाउन्ट्स तैयार करना।
5. बैंकिंग, बीमा एवं बिलिंग कंपनियों के अंतिम एकाउन्ट्स तैयार करना।
6. बिलयन, समावेशन एवं पुनर्गठन संबंधी साधारण समस्याएं
7. स्टेटेंट आफ अफेयर्स (जिसमें डिफिनेशनी/सरप्लस एकाउन्ट्स सम्मिलित हैं) तथा कार्यनी दंद करने संबंधी परिसमाप्ति के स्टेटेंट आफ एकाउन्ट्स
8. अपूर्ण रिकार्डों से एकाउन्ट्स तैयार करना (सिंगल एंट्री)
9. साधारण रेशो एनालिसिस
10. सरकारी एकाउन्टिंग पद्धति की प्रस्तावना

## प्रश्नपत्र 2—आडिटिंग

(एक प्रश्नपत्र—समय 3 घंटे—अंक 100)

ज्ञान का स्तर : कार्यकारी ज्ञान

उद्देश्य : आडिटिंग की तकनीक, एवं प्रक्रिया तथा सामान्य अवलोकन परिस्थितियों में उनके क्रियाव्यवहर की योग्यता के संबंध में विद्यार्थी की समझ का परीक्षण करना

## विस्तृत विषय वस्तु

1. आडिटिंग—प्रकृति और क्षेत्र, आडिट प्रक्रिया, आडिट के उद्देश्य आडिट से संबंधित मूल सिद्धांत, आडिट के प्रकार, अन्य विषयों के साथ आडिट का संबंध, इंटरव्हनल आडिट तथा एकाउन्ट्स आडिट।
2. आडिट का संचालन :—आडिट कार्यक्रम, बिंग लेन्वर्स, आडिट नोट बुक्स, आडिट फाइल्स—स्थायी आडिट फाइल्स।
3. आडिट एनीडेंस, फिजिकल वेरीफिकेशन, डाकूमेंटेशन, स्कैनिंग, डायरेक्ट कन्फर्मेशन, स्किप्प्टूटेशन, प्रमाणपत्र प्राप्त करना।
4. आंतरिक नियन्त्रण पद्धति का आंकलन—विस्तृत चुंकिंग की आवश्यकता और उसका प्रभाव
5. परख चुंकिंग—परख (टैस्ट) वे किंग की पद्धतियां—स्टेटिस्टिकल सैम-परिणाम के घटक
6. भुगतान का आडिट—सामान्य विचारक्राप परिस्थिति—पूंजीगत अन्य अन्य भुगतान एवं खर्चों को मोटे नकद भुगतान, बैंक में और बाहर भुगतानों का आडिट, रोकड़ खाले के साथ बैंक बिवरण का गिलान
7. रसीदों का आडिट—सामान्य विचार नकद बिक्री-ऋणों से प्राप्त अन्य प्राप्तियां
8. खरीदों की आडिट—नकद और उद्धार खरीदों की वार्ताचिंग—फार्मेंट खरीदा-पर्चेज रिटॉर्स
9. विक्रियों की आडिट—नकद व उद्धार विक्री—मालप्रेषण—स्वीकृति आवार वर पर विक्री—किराया खरीद अनुबंध के तहत विक्री-लौटाए जाने वाले पात्र (कन्टेनर) उपभोक्ताओं को दी जाने वाली विक्रिय छूट—सेल्स रिटॉर्स—सेल्स लेजर
10. आडिट आफ सम्पादन सेल्स एवं डेवटर्म सेल्स बैलेसिंग एवं सेल्सनव बैलेसिंग प्रणाली—कुल अद्यता नियंत्रित एकाउन्ट्स जीफ एवं कार्ड लेजर्स—उद्धार उपभोक्ताओं तथा आपूर्तिकर्ताओं से कन्फर्मेटरीस्टेटेंट न बुकता किए जाने वाले एवं संवेहास्पद झण्डों के लिए प्रावधान
11. आडिट आफ इमपर्सल लेजर—पूंजीगत अन्य, बद्टेक्सार्ट वोले आव अन्य एवं आय अन्य—जकाया खर्चे एवं आय—मरम्मत एवं नवीनीकरण—

रिजर्व्स तथा प्राविजन्स के मध्य अंतर एकाउन्टिंग के आवार में परिवर्तन स्थल पर्याप्ति।

12. पूंजी का मूल्यांकन एवं जोख—सामान्य सिद्धांत अचल पूंजी एवं पूंजी वर्तन वूंजी जिसमें कैग—हन—हैंड तथा बैंक में दोनों सम्मिलित हैं—इन्वेस्टमेंट्स इन्वेन्ट्री—प्रीहोल्ड तथा लीज की सम्पत्ति, प्राप्त प्राप्त होने वाले विल्स, विधि छृण, संयंक तथा भशीमरी, पेटेन्ट्स वेयताओं की जांच
13. अपूर्ण रिकार्डों की आडिट
14. विभिन्न प्रकार के संस्थानों अर्थात् शैक्षिक संस्थानों, होटल्स, कल्याने अस्पतालों, किराया खरीद तथा लीजिंग कम्पनियों इत्यादि (जिसमें बैंक, विज्ञी कम्पनियों, सहकारी समितियों तथा बीमा कम्पनियों सम्मिलित नहीं हैं) के आडिट के संबंध में विशेष विन्दु।
15. निमिट्टेड कम्पनियों का आडिट—आडीटर्स की नियुक्ति, आडीटर को हटाना, आडीटर्स के अधिकार तथा कर्तव्य, आडीटर्स प्रतिवेदन शेयर पूंजी का आडिट, योग्यतों का हस्तांतरण।
16. भरकारी आडिट भी विवेषताएं—कम्प्रोलर एवं आडीटर जनरल और उसकी वैधानिक भूमिका—सरकारी आडिटिंग के मूल विद्धि।
17. ई० डी० पी० वातावरण में आडिटिंग—मूल विचार।

## प्रश्नपत्र 3—नियमित तथा अन्य अधिनियम

(एक प्रश्नपत्र—सीत घंटे—100 अंक)

ज्ञान का स्तर : कार्यसाधक ज्ञान

उद्देश्य : कलिपय नियमित एवं अन्य नियमों के उपबंधों के साधारण बोध व जांच तथा उनका अवलोकन परिस्थितियों में अनुप्रयोग

## विस्तृत विषय वस्तु—

1. वि कम्पनी एकट, 1956 भारा 1 से 145
2. वि नैगोशिएशन इन्स्ट्रूमेंट एकट 1881
3. दि रेमेंट आफ बोनस एकट 1965 निम्नलिखित अधिनियमों का भूलभूत ज्ञान
4. दि रेमेंट आफ रेचूटी एकट 1972
5. वि एम्प्लाईज़ प्राविडेंस फैल्स एवं मिसलेनियस प्रोविज़स एकट 195
6. दि सोस इंटीजारजिस्ट्रेशन एकट 1860
7. दि को आपरेटिव सोसाइटीज एकट 1912

## गुण-II

प्रश्नपत्र- 4 : लागत लेज्जा विधि—कोस्ट एकाउन्टिंग)

ज्ञान का स्तर : कार्यसाधक ज्ञान

उद्देश्य : लागत और आकलन संकलनालों की समझ कर विवरण त आकलन की विधियों तथा प्रक्रियाओं का अनुग्रहण

## विस्तृत विषय वस्तु

1. लागत आकलन का उद्देश्य, महत्व तथा लाभ, लागत संकलनाल लागत आकलन के प्रकार, लागत आकलन पद्धति का प्रतिलिपन एक अच्छी लागत आकलन पद्धति की अनिवार्यताएं, लागत आकलन विधि तथा प्राप्ति लेज्जा विधि का अंतर, लागत आकलन के तत्व, लागत एक लागत केन्द्र
2. सामग्री
  - (क) सामग्री का उद्देश्य, उसकी पद्धति, उसकी प्राप्ति तथा निरीक्षण
  - (ख) सामग्री का नियन्त्रण, सामग्री नियन्त्रण का उद्देश्य, सामग्री वर्गीकरण तथा संहिताकरण, मालसूची नियन्त्रण पद्धति, भंडा स्तर का नियन्त्रण, भंडा की अविकलन तथा न्यूनतत्त्व सीम पुनरावृद्धि का परिमाण, पनरावृद्धि की सीमा, ई० डी० सी०।

कोण्ठ पद्धति, भतत मालसूची प्रणाली, मालसूची का प्रत्यक्ष मत्यागन।

(ग) गामग्री निर्वाम कार्यविधि, सामग्री का बीजक, सामग्री की वापसी सामग्री का स्थानांतरण

(घ) भंडार के अभिलेख, कोण्ठ पत्रक, भंडार खाता बही, विकेता तथा भंडार ग्रह को सामग्री की वापसी सहित निर्वाम सामग्री का मूल्यांकन

(ङ) श्रीजन, रही सामग्री, जीर्ण सामग्री, दोषपूर्ण तथा अप्रचलित सामग्री का लेखाकरण

(ज) उपकरणों, नमूनों, स्थानकर्ताओं, नीले नक्शों, डप्पों तथा अल्प अविष्ट अवधि मूल्य की अव्य ऐसी ही परिसंपत्ति के नियंत्रण का लेखाकरण

### 3. अम

(क) अम लागत नियंत्रण तथा उसका महत्व, समय लेखन पद्धति, समय अंकण तथा उसके उद्देश्य, समय लेखन की पद्धतियां, समय गति अध्ययन

निष्कार्य समय तथा अतिरिक्त समय पर नियंत्रण तथा लागत लेखन में उसका निरूपण श्रमिक आवर्त—उसका कारण तथा मापन प्रणाली श्रमिक आवर्त का प्रधाव, श्रमिक आवर्त को न्यूनतम रखने के उपाय श्रमिक आवर्त की लागत तथा श्रमिक आवर्त की लागत का लेखन में निरूपण

(ख) बोनस तथा प्रेरणामूलक योजनाओं सहित मजदूरी के भुगतान की प्रणालियां, कार्य मूल्यांकन गुण क्रमांकण कार्य मूल्यांकन की प्रणालियां

### 4. उपरिव्यय

(क) विनिर्भाण उपरिव्यय का लेखाकरण तथा नियंत्रण, विनिर्भाण उपरिव्यय का समूहीकरण तथा संहिताकरण, संग्रह एवं विभागीकरण तथा पुनर्व्यय, उपरिव्यय अन्वर्तन प्रणाली उपरिव्यय के अधिक तथा न्यून अंतर्वर्तन का निरूपण

(ख) प्रशासनिक, विक्रय संबंधी तथा वितरण संबंधी उपरिव्यय का लेखाकरण तथा नियंत्रण

(ग) लागत लेखों में कुछ विशेष मर्दों जैसे भूत्याकाश, पूंजी पर व्याज, अनुसंधान तथा विकास व्यय, पैककारी व्यय तथा अनुषंगी हितानां आदि का निरूपण

### 5. लागत निर्धारण की प्रणालियां जैसे

- (1) कार्य लागत निर्धारण
- (2) अनुबंध लागत निर्धारण
- (3) खेप लागत निर्धारण
- (4) प्रक्रिया लागत निर्धारण—संयुक्त उपाय तथा उपोत्पाद
- (5) एकांश लागत निर्धारण
- (6) प्रचालन लागत निर्धारण तथा संक्रियात्मक लागत निर्धारण

6. (क) लागत आधार सामग्री तथा सूचनाओं की त्रैयारी तथा प्रस्तुतीकरण विशेषतया लागत आधार सामग्री को नालिकाबाल करना, लागत पत्रक तथा लागत विवरण, लागत निर्धारण अभिलेख तथा नियमों का सामान्य परिवर्त्य (उद्योगानुसार अद्योता प्रन्यायिन नहीं)

(ख) लागत नियंत्रण लेखे, अमेकिन लेखे, लागत तथा आधिक लेखों का समाधान लागत तथा आधिक लेखों की ममेकिन प्रणाली

7. सीमांत लागत आकलन, अर्ध, परिवर्तनीय लागत का नियन, लागत तथा परिवर्तनीय लागत भागों में पृथक्करण की प्रणालियां, संतुलन स्तर विशेषण की संकलनता, मानक लागत आकलन तथा प्रभरण 2—189GI/89

विशेषण (प्रारम्भिक समस्याएं) (बजट नियंत्रण) (प्रारम्भिक समस्याएं) 8. एक स्पष्ट लागत आकलन तथा अंतः व्यवसाय प्रतिष्ठान तुलना—प्रभनपत्र 5—आयकर तथा केन्द्रीय बिक्रीकर (हकम टैक्स तथा मैन्डल सेल्स टैक्स)

(एक प्रवर्तन पत्र—सीन बटे—100 अंक)

ज्ञान का स्तर : कार्य साधक ज्ञान

उद्देश्य : (क) विद्यार्थियों की आयकर नियम के मुख्य उपर्योगों के आगीय अंतर्विहित मूल सिद्धांतों की जानकारी की जांच तथा आय के विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत व्यक्ति की आय के अभिकलन में साधारण समस्याओं को हल करने में उनका अनुप्रयोग

(ख) यह जांचना कि क्या विद्यार्थियों ने केन्द्रीय बिक्री कर नियम के मूल सिद्धांतों का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है—

परिच्छेद क—आयकर (75 अंक)

### विस्तृत विषय वस्तु

आयकर अधिनियम 1981 में वी गई कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन जैसे कृति आय, कर विधार्तित, कर निधार्तित, करपती भारतीय कंपनी जिसमें जमका की मुख्य रूप से अभिहृति है, धर्मर्थ उद्देश्य, लाभांश, आय व्यक्ति, अल्पावधि पूंजीगत परिसंपत्ति, हस्तांतरण ।

— पिछले वर्ष की संकलनता

— प्रभार का आधार, आवासी हैमियत तथा पूर्ण आय का विषय जेव

— भारत में प्राप्त की गई मानी हुई/अजित हुई मानी गई आय

— आय जो कुल आय का भाग नहीं होती

— आय की मद तथा विभिन्न मर्दों में आप के अभिकलन से संबंधित अनुबंध

— अन्य व्यक्तियों की कुल आय का निर्धारित की कुल आय में सम्मिलित करना

— आय का सम्बन्ध तथा हानि का सम्बन्ध या हानि का अगले लाभ में आटा पूर्णि

— सकल आय में से कटाईतीय

— आय कर प्राधिकारी, नियुक्तियां, नियंत्रण, अधिकार थेट तथा शक्ति

— निर्धारण की कार्य विधि, अपील तथा पुनरीक्षण, विद्यार्थियों से आशा की जाती है कि वे उपरोक्त थेटों में कर निर्धारित की हैमियत से संबंधित साधारण समस्याओं को हल करेंगे ।

बट ख—बिक्री कर (25 अंक)

केन्द्रीय बिक्री कर नियम—1956

### प्रभनपत्र 6—संगठन एवं प्रबंध (50 अंक)

ज्ञान का स्तर :—कार्य साधक ज्ञान

उद्देश्य : यह सुनिश्चित करना कि विद्यार्थियों ने व्यवसायिक लेखापालों से संबंधित संगठन एवं प्रबंध के विभिन्न मंकलनाओं से का प्रशान्ति को हरवायेग—कर मिया है :

### विस्तृत विषय वस्तु

#### 1. भूमिका

संगठन एवं प्रबंध की मूल संकलनाएं संगठन का स्वरूप एवं प्रकार—संगठन के वृत्त तथा अवध्यवस्था एवं समाज उनकी भूमिका, प्रबंध-ऐताहासिक विकास-प्रबंध के सिद्धांतिक परिवेष्य-प्रबंध के गत,

प्रक्रिया एवं प्रकार्य—संगठन एवं प्रबन्ध पर वातावरण का प्रभाव—  
संगठन के उद्देश्य—प्रबन्ध का सामाजिक दृष्टिव्य

## 2. आयोजन तथा निर्णयन

आयोजन तथा निर्णयन की मूल संकल्पनाएँ—प्रबन्ध के अन्य कार्यों से उनका संबंध—आयोजन तथा निर्णयन के सत्त्व, तकनीक तथा प्रक्रिया—आयोजन तथा निर्णयन के प्रकार—आयोजन तथा निर्णयन का कार्यान्वयन

## 3. संगठन तथा कर्मचारी भर्ती

संगठन तथा कर्मचारी भर्ती की मूल संकल्पनाएँ—संगठन का संरचनात्मक स्थापकण तथा उसका महत्व,—विभागीकरण, नियंत्रण की विस्तृति, प्रत्यायोजन, केंद्रीयकरण, अनुक्रम—प्रबन्धक इत्यादि संगठन की पारम्परिक एवं अवैधिक संरचनाएँ—संगठन तथा कर्मचारी भर्ती के सिद्धांत, सेक्षाकरण और एवं वित्तीय प्रकार्यों में उसका अनुप्रयोग।

## 4. निर्देशन तथा नेतृत्व

मूल संकल्पनाएँ तथा तकनीक, सम्प्रेषण, अभिप्रेरण तथा नेतृत्व, प्रशिक्षा तथा वृद्धिक्रोण—संगठनात्मक व्यवहार की संकल्पना, सिद्धांत तथा अनुप्रयोग

## 5. नियंत्रण तथा समन्वय

नियंत्रण तथा समन्वय की मूल संकल्पनाएँ, तत्त्व, प्रक्रिया एवं तकनीक खंड छ—इलैक्ट्रोनिक डाटा प्रोसेसिंग के मूल तत्व (50 अंक)

ज्ञान का स्तर : बुनियादी ज्ञानकारी

उद्देश्य : इलैक्ट्रोनिक डाटा प्रोसेसिंग के भूलूल स्वरूप तथा मूल तत्वों की ज्ञानकारी तथा नुण विवेचन सुनिश्चित करना।

## विस्तृत विषय वस्तु

1. डाटा प्रोसेसिंग के तत्त्व—डाटा, सूचना आगत (इनपुट) संमाधन (प्रोसेसिंग) तथा उत्पाद (आउटपुट)
2. कम्प्यूटर्स तथा उनकी विशेषताएँ, कम्प्यूटरों का संक्षिप्त इतिहास, कम्प्यूटर हार्डवेयर—कम्प्यूटर की आधारभूत संक्रियाएँ—मुख्य डार्ने—लक्षु कम्प्यूटर्स—माइक्रो कम्प्यूटर्स—
3. आगत उपकरण—चुम्बकीय टेप, चुम्बकीय डिस्क, पलोपी डिस्क, एम. आई० सी० आर०, ओ० सी० आर०, बी० ई० ई० य० आदि  
— आउटपुट उपकरण—प्रिंटर्स, बी० ई० ई० य०, कम्प्यूटर आउटपुट, माइक्रोफिल्मिंग  
— द्रग्मिनल तथा डाटा कम्प्यूटिंग—ट्रेटर्वर्क्स, डिस्ट्रीब्यूटिड सिस्टम्स  
— सोफ्टवेयर—सिस्टम्स सोफ्टवेयर, अनुप्रयोग सोफ्टवेयर, मैसिफिकेशन सोफ्टवेयर  
— इलैक्ट्रोनिक स्पैरैड शीट, ब्रैड प्रोसेसिंग, डाटा बेस मैनेजमेंट सिस्टम्स  
— डाटा रिप्रेजेक्टेशन—आईनी, बी० सी० ई० ओप्टिल हैक्साडेसीमिल, ई० बी० सी० ई० आई० सी तथा ए० एम० सी० आई० आई०  
— कम्प्यूटर मैमोरी के प्रकार, कोर० सैमी कंडक्टर, आर० ए० एम०, आर० ओ० एम० बबल० मैमोरी एड्रेसिंग से संबंधित संकल्पनाएँ
4. कम्प्यूटर प्रोसेसिंग तकनीक, बैच प्रोसेसिंग, ओन लाइट प्रोसेसिंग, मल्टी प्रोग्रामिंग, दार्म शेयरिंग, वास्तविक टाइम प्रोमेसिंग, डाटा बेस—डिस्ट्रीब्यूटिड बनाना मैट्रिक्साइज़ डाटा बेस के विशेष लक्षण व्यवसायिक कम्प्यूटरों से संबंधित, कम्प्यूटर टैक्नोलॉजी में जटि आधुनिक उपर्युक्ति
5. फ्लो आर्टिस से परिवर्त्य सिस्टम्स फ्लो बाट्स, रन फ्लोआर्ट्स, प्रोग्राम फ्लोआर्ट्स, उदाहरण, लाभ तथा परिसीमाएँ, डिसिजन तालिकाएँ—प्रकार उदाहरण लाभ तथा परिसीमाएँ।

6. कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग से परिचय, कम्प्यूटर भाषाओं की सौचानिक कोवेन तथा बेसिक भाषाओं का प्रयोग करने हुए साधारण प्रोग्रामिंग लेखन

(iii) पैराग्राफ 3 के अंत में निम्नलिखित पैराग्राफ 3क जोड़े  
3क—अंतिम परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तथा पाठ्यक्रम

पृष्ठ 1

प्रश्नपत्र 1—उच्च स्तरीय लेखाविधि

(एक प्रश्नपत्र—तीन घंटे—100 अंक)

ज्ञान का स्तर : विशेष ज्ञान

उद्देश्य : विद्यार्थियों की लेखाविधि संबंधी व्यवसायिक स्तर, मित्रान् एवं प्रक्रिया तथा विभिन्न व्यवहारिक स्थितियों में उनके अनुप्रयोग की क्षमता को जांचना।

विस्तृत विषय वस्तु :

1. कम्पनी लेखाकरण की उच्च स्तरीय समस्याएँ
2. संखयन, अतिर्लेन तथा पुनर्रचना की उच्चतर समस्याएँ।
3. कागोबार तथा योग्यों का सूच्यांकन।
4. नियंत्रक, कम्पनी के समेकित लेखे।
5. लेखाकरण का स्तर, विभिन्न लेखा संबंधी पक्षों पर संस्थान द्वारा जारी किए गए विवरण तथा निर्देशात्मक ट्रिप्पणियों तथा उपरोक्त विषयों के संदर्भ में उनका अनुप्रयोग।
6. लेखाकरण में विकास, मुद्राएँ और समायोजित लेख, मानव संसाधन लेखाकरण, सामाजिक लेखाकरण एवं मृत्यु सहित विवरण।
7. आधिक विवरणों की परिसीमाएँ।

आधिक डाटा के अर्थ निर्णय तथा विश्लेषण सहित आधिक विवरणों का अर्थ निर्णय एवं विश्लेषण, अनुपातिक विश्लेषण, दो विभिन्न अनुपातों द्वारा प्रति जांच, अनुपातों की परिसीमाएँ, विवरणों का तुलनात्मक विश्लेषण तथा अन्तः प्रतिष्ठान तुलना।

8. नक्शी प्रवाद, निधि को उद्गम तथा अनुप्रयोग संबंधी विवरण।
9. गैर साधारण करने वाली संस्थाओं तथा जन सेवाओं के लेखाकरण के विशेष लक्षण।

प्रश्नपत्र 2—प्रबन्ध लेखाकरण

(एक प्रश्नपत्र—तीन घंटे—100 अंक)

ज्ञान का स्तर : विशेष ज्ञान

उद्देश्य : यह जांच करना कि क्या विद्यार्थियों ने सामाजिक भेद के उपक्रमों सहित संगठनों के प्रबन्ध लेखाकरण तथा संबंधित प्रबन्ध संबंधी निर्णयन की संकल्पनाओं तथा तकनीक की जांकारी प्राप्त कर ली हैं।

विस्तृत विषय वस्तु :

1. वित्तीय प्रबन्ध का अर्थ, महत्व तथा उद्देश्य—प्रबन्धक के कार्य
2. अल्पाविधि तथा शीर्षाविधि वित्तीय आयोजन तथा पूर्वानुमान प्रारम्भिक औपचारिक बीमारी का पूर्वक्यन—प्रबन्धालम तथा वित्तीय लीबरेज—लागत आयलन लाभ विश्लेषण।
3. आलू पूंजी का प्रबन्ध—रोकड़ प्रबन्ध, होने वाली प्रतियोगियों का प्रबन्ध—सूची प्रबन्ध और धन लगाना या आलू पूंजी।
4. शीर्षाविधि तथा अल्पाविधि—वित्त व्यवस्था के लोन, बोनम शेयरों सहित पूंजी जारी करने पर नियंत्रण, पूंजी संरक्षण, अंशलाभ की नीति—पट्टा वित्त व्यवस्था—शेयरों तथा प्रतिभूतियों का जारी करना—प्रतिभूतियों को सूचिबद्ध करना।
5. पूंजी का बजट बनाना—परियोजना प्रतिवेदन तैयार करना—वित्तीय प्रक्रिया—ये बैंक प्रणाली सहित पूंजीगत परियोजनाओं के मूल्यांकन।

की तकनीक—प्रतिफल की दूर—बट्टागत नकद प्रवाह—शूद्र वर्तमान मूल्य तथा आंतरिक प्रतिफल की दूर प्रणालियाँ—पूंजी व्याय बाटन (राशनिंग) पूंजीयत बजट बनाने में तथा जोखिम निवेश में जोखिम विश्लेषण—सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण, पूंजी के बजट नियंत्रण में नेटवर्क तकनीक—पी० ६० आर० ८० तथा सी० पी० एम०

6. पूंजी की लागत—पूंजी के विभिन्न घोटों की लागत—पूंजी की भारित औसत लागत—पूंजी की सीमान्त लागत—
7. बजट तथा बजट नियंत्रण—मूल बजट की ओर अप्रसर होने के लिए उत्तरवायित्व बजट समेत प्रकार्यतम बजट, नियंत्रण तथा नम्ब बजट—निष्पादन बजट शून्य आधारित बजट बनाना, विभिन्न स्तरों पर निष्पादन प्रतिवेदन करना—
8. बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों से सावधिक कर्जों की बातचीत करना भारतीय वित्तीय संस्थानों द्वारा सावधिक कर्जों की समीक्षा—
9. विवेष विभाग का प्रबंध—प्रतिभूतियों का चुनाव—बैचने तथा खारीबने के निर्णय का सम्बन्ध—
10. सार्वजनिक लेख के उपकरणों के वित्तीय प्रबंध के विशेष लक्षण
11. मुद्रासंकीय तथा वित्तीय प्रबंध
12. निर्गमित कर व्यवस्था तथा उसका निर्गमित विस व्यवस्था पर प्रभाव
13. अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध से परिवर्य—अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय साधन जुटाना तथा विनियम दर—जोखिम प्रबंध, विवेशी मुद्रा में सौदे।

प्रश्नपत्र 3 : लेखा परीक्षण  
(एक प्रश्नपत्र—तीन घण्टे—100 अंक)

शान का स्तर : विशेषज्ञ स्तर

उद्देश्य : यह जानना कि क्या विद्यार्थियों ने लागू लेखा परीक्षण प्रयोगों तथा प्रक्रियाओं का गहन ज्ञान प्राप्त कर लिया है और क्या वे उन्हें विविध प्रकार की व्यवहारिक परिस्थितियों में प्रयोग कर सकते हैं।

विस्तृत विषय बस्तु :

1. लेखा परीक्षण का आयोजन तथा कार्यक्रम बनाना।  
लेखा परीक्षण कार्य के प्रवाह का आयोजन—अन्तरिम लेखा परीक्षण, अधिकारम लेखा परीक्षा, सहायकों के विभिन्न स्तरों के बीच काम का बंटवारा—पर्यवेक्षण की समस्याएँ—लेखों परीक्षण टिप्पणियों तथा कार्यपालों का पुनर्निरीक्षण प्रधान का अंतिम उत्तरवायित्व प्रत्ययोजन का प्रस्तुत—लेखा परीक्षण कार्य गुणवत्ता पर नियंत्रण, अन्य लेखा परीक्षक/आन्तरिक लेखा परीक्षक/किसी विशेषज्ञ पर विश्वास
2. आन्तरिक नियंत्रण तथा आन्तरिक लेखा परीक्षण  
आन्तरिक नियंत्रण प्रक्रिया का मूल्यांकण—प्रस्तावित तथा प्रवाह चार्ट सहित तकनीक आन्तरिक तथा बाह्यक लेखा परीक्षण, दोनों में सम्बन्ध
3. विशेष लेखा परीक्षण तकनीक  
चयनात्मक सत्यापन, संक्षिकीय नमूना चयन—विशेष लेखा परीक्षण प्रक्रियाएँ—परिसंपत्ति के भौतिक सत्यापन की साक्षी करना—देनदारों तथा लेनदारों का सीधा बृतुलीकरण (सरकुलाईजेशन) लेखों का समय आधार पर पुनर्निरीक्षण—वित्तीय स्थिति विवरण का लेखा परीक्षण—अनुपात विश्लेषण आदि, लेखा परीक्षण की कार्य पद्धति में सुधार—पद्धति लेखा परीक्षण एवं जोखिम आधारित लेखा परीक्षण
4. सीमित दायित्व वाली कंपनियों का लेखा परीक्षण  
(क) लेखा परीक्षक का उत्तरवायित्व बनाम  
(1) कंपनी नियम के अन्तर्गत संवैधानिक उत्तरवायित्व

(2) शाखाओं का लेखा परीक्षण  
(3) संयुक्त लेखा परीक्षण

(च) कंपनियों के लेखा परीक्षण के संदर्भ में सत्य तथा उचित एवं महत्वपूर्णता की संकल्पनाएँ

(ग) प्रबंध से सुचनाएँ तथा व्याध्याएँ प्राप्त करने का महत्व तथा उन पर विश्वास करने की मात्रा

(घ) लेखा परीक्षण प्रतिवेदन—शर्तों पर टिप्पणिया, जातों पर टिप्पणिया तथा शर्तों में अंतर, प्रबंधकों को संवैधानिक लेखा परीक्षक द्वारा विस्तृत लेख टिप्पणी आगाम सदस्यों को सूचित करने का वायित्व विवरण पक्षिका के लिए विशेष प्रतिवेदन

(च) अंशलाभ तथा विभाज्य लाभ मूल्यहास के विशेष संदर्भ में वित्तीय विधिक तथा नीति संबंधी अनुचितन

5. सार्वजनिक लेख के उपकरणों के लेखा परीक्षण में विशेष विद्युधारा 619 के अन्तर्गत कम्पट्रोलर ईड आईटर जनरल द्वारा विए गए निर्देश और वित्तीय तथा कार्यक्रमता लेखा परीक्षण की संकल्पनाएँ

6. विशेष लेखा परीक्षण

7. लागत लेखा परीक्षण

8. प्रमाणीकरण

बोनस की अदायगी नियम/आयात/नियति प्राधिकारियों के अंतर्गत विवाह गए प्रमाणपत्र—प्रमाणपत्र तथा प्रतिवेदन का अंतर, वैर लेखा परीक्षण ग्राहकों को मिरिष्ट सेवा

9. अन्वेषण  
अंतर्लेन, पुनर्संरचना तथा कारोबार के बेचने, खारीबने जैसी योजनाओं के संदर्भ में अन्वेषण

10. आय कर नियम के विभिन्न उपबंधों के अंतर्गत लेखा परीक्षण

11. बैंकों, बीमा कंपनियों तथा सहकारी समितियों के लेखा परीक्षण की विशेष अभियान

12. विवरण/मानक तथा निर्देशन टिप्पणिया, लेखाकरण के मान, लेखा-करण तथा लेखा परीक्षण के मामलों से संबंधित संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखा परीक्षण संबंधी पृष्ठाओं पर विवरण तथा निर्देशन टिप्पणिया—साधारणतया स्वीकृत लेखा परीक्षण पृष्ठाओं की संकल्पना—और उनके संदर्भ में लेखा परीक्षण तथा उसका महत्व।

13. लेखा परीक्षक के अधिकार, कर्तव्य एवं वायित्व—अन्य पक्ष के प्रति दायित्व-प्रकृति तथा सीमा

14. वृत्तक नीति शास्त्र तथा व्यवहार संहिता

15. संक्रियात्मक प्रबंध एवं लेखा परीक्षण की संकल्पना—इसकी प्रकृति एवं उद्देश्य संगठन—लेखा परीक्षण कार्यक्रम—व्यवहारात्मक समस्याएँ

16. आन्तरिक नियंत्रण का पुनर्निरीक्षण, क्या संक्रिया, विशिष्टिया परिचालन, विकल्प तथा वितरण, कार्यक्रम नीतियाँ, प्रणाली तथा प्रक्रिया समेत प्रबंध एवं प्रबालन लेखा परीक्षण के निर्दिष्ट लेख

17. बैंक से अट्टा लेने वालों का लेखा परीक्षण, स्टाक एक्सचेंज के बलालों का लेखा परीक्षण जैसे विशेष लेखा परीक्षण नियत कार्य

18. संगणक लेखा परीक्षण, ई० डी० पी० लेखा परीक्षण की निविष्ट समस्याएँ, आंतरिक नियंत्रण, विशेषतया प्रक्रिया नियंत्रण तथा सुविधा नियंत्रण, के पुनर्निरीक्षण की आवश्यकता, ई० डी० पी० निर्गत के लेखापरीक्षण की तकनीक, आंतरिक तथा प्रबंध लेखा परीक्षण उद्देश्यों के लिए संगणक का प्रयोग—जांच गिड्डियां (टैस्ट प्रैक्स), संगणकीय लेखा परीक्षण कार्यक्रम, संगणक पद्धति के लागू करने समय लेखा परीक्षक की अंतर्भाविता।

प्रश्नपत्र 4—निर्गमित नियम  
(एक प्रश्नपत्र—तीन घंटे—100 अंक)

ज्ञान का स्तर : विशेषज्ञ ज्ञान

उद्देश्य : विद्यार्थी की कम्पनी अधिनियम तथा संबंधित कानूनों की तथा उनके व्यवहारिक प्रयोग की जानकारी की जांच करना

विस्तृत विषय वस्तु

- दि कम्पनीजू एक्ट 1956 (धारा 146 के अन्त तक)
- दि मोनोपोलिस एंड रेस्ट्रिक्टिव ट्रेड ट्रीविट्सिजू एक्ट 1969
- दि फोरने एक्सचेंज रेग्लेमेंट एक्ट 1973
- दि कैपीटल इण्डिज (फन्ट्रोल) एक्ट 1947 तथा उसके आधीन जारी किए गए सूचक के आवेदन
- दि सिक इंडस्ट्रीज कंपनी (स्पेशल प्रोविजन्स) एक्ट, 1985
- कानून, विशेष एवं प्रलेख के वर्ष निरूपण के मियम

पुरुष II

प्रश्नपत्र 5—उच्चस्तरीय लागत लेखाचिति

(एक प्रश्नपत्र—तीन घंटे—100 अंक)

जानकारी का स्तर : विशेषज्ञ ज्ञान

उद्देश्य : विद्यार्थियों की लागत लेखा विधि के सिद्धांतों एवं प्रक्रिया की समस्या तथा प्रबंध संबंधित नियंत्रण के लिए विभिन्न स्थितियों में उनका प्रयोग करने की जांच करना।

विस्तृत विषय वस्तु

- लागत वर्गीकरण एवं विशेषण
- नियंत्रण में लागत संकल्पना—संगत लागत, विभेद लागत, वर्धमान लागत, तथा विकल्प लागत
- सामान्य लागत—सीमांत लागत एवं
- अवशोषण लागत का अंतर, संतुलन स्तर विशेषण, लागत—आयतन-लाभ विशेषण, संतुलन स्तर आर्ट, अंशदायी सीमा तथा नियंत्रण से संबंधित समस्याएं जैसे “इनाए या खरीदे”, “कामबंदी या जारी रखन”, “विस्तार या संकोचन”, विशेष अवस्थाओं में मूल्य निर्धारण, उत्पाद संबंधी नियंत्रण
- नियंत्रण की समस्याएं जैसे “रखे या बदले”, “मरम्मत करवायें या नया बनाए”, “अभी या बाद में”; “परिवर्तन अथवा पूर्ववस्त”, “बेचे या और प्रक्रिया करें”, “अपना खरीदे या किराए पर ले”, “बेचे या रखें कर दें या रखें”, “मूल्य संबंधी नियंत्रण, उत्पाद संबंधी नियंत्रण, विणान तथा वितरण मंडंधी नियंत्रण, उत्पाद विकास, प्रतियोगित्वमुक्त मूल्य निर्धारण, विभेदक मूल्य तथा बट्टे तथा मूल्य निर्धारण, विपणन विवरण
- लागत निर्धारण से विष, लागत नियन्त्रण छोड़न पर नियंत्रण, रद्दी, रद्दी उत्पाद तथा दोषपूर्ण उत्पाद
- प्रबंध नियंत्रण—उत्पादवित्त लेखाकरण, लागत, लाभ, तथा निवेश केन्द्र, अंशदाता दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए स्थानांतरण मूल्यांकन की समस्याएं
- मानक लागत निर्धारण तथा प्रसरण विशेषण, सामग्री, ध्रुम तथा उपरिष्य, प्रसरण का समाचार लेखन
- लागत में कमी—लागत में कमी के तकनीक जैसे कार्य अध्ययन, समय तथा गति अध्ययन एवं मूल्य विशेषण।

प्रश्नपत्र 6—गद्दानि विशेषण, आधार गामगी का संसाधन तथा परिमाणनीय तकनीक

ज्ञान का स्तर :—कार्य साधक ज्ञान

उद्देश्य : (1) विद्यार्थियों की पद्धति विशेषण तथा अभिकलन की तकनीक को व्यवसाय में संगणक के प्रयोग का अभिकलन तथा कार्यान्वयन करने की योग्यता की जांच करना।

(2) विद्यार्थियों की परिमाणनीय तकनीक को व्यवसाय की समस्याओं में प्रयोग करने की योग्यता की जांच करना।

विस्तृत विषय वस्तु

- एम० आई० एस० की आधारभूत आयश्यकता—इसकी आवश्यकता, उद्देश्य तथा सार्वजनिकता, प्रबंध के विभिन्न स्तरों पर विभिन्न प्रवार की जानकारी प्रदान करने की आवश्यकता को मात्रता प्रबंध की समस्याओं को हान करने के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण, हर व्यवसाय के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विशेष रूप से अभिकलित सूचना व्यवस्था संस्थापित करने की आवश्यकता; नियंत्रण के लिए सूचना के प्रयोग का संकल्पनात्मक ज्ञान
- व्यवस्था विकास प्रक्रिया
- व्यवस्था विशेषण तथा अभिकलन, कार्यक्रम बनाने की प्रणालियां, तकनीक तथा उपकरणों की संकल्पनाएँ
- जारीरिक से संगणकीय व्यवस्था में परिवर्तन—संबंधित समस्याएँ एवं मूल्यांकन
- संगणकीय व्यवस्थाके प्रयोगों का अभिकलन, वित्तीय लेखाकरण, सूची नियंत्रण, उत्पादन नियंत्रण, अश (शेयर) लेखाकरण, बेतन विपत्र तैयार करना एवं लेखाकरण, नियमी लेखाकरण, बीजक बनाना
- संगणक प्रबंध—ई० डी० पी० विभाग का संगठन तथा भर्तीकरण
- संगणक का जुनाव एवं संस्थापन—संगणक का जुनाव, जुनाव की कमीटी, नियमांकों का मूल्यांकन, विर्तीय मामले (किराया, पट्टा, क्रय, संस्थापन व्यवस्था में संगणक केन्द्र)
- ई० डी० पी० व्यवस्था का नियंत्रण
- मानक—प्रबंध, प्रणालिया तथा प्रशिक्षा मान
- संगणक व्यवस्था की मुरक्का, बैकल्पिक मुरक्काएं, अग्नि के खतरे में रक्षा, अग्नि का पता लगाने तथा बुझाने के उपकरण, अग्नि लग जाने की दशा में उडाए जाने वाले पग, ऐसी स्थिति में आधार सामग्री को बैमे बचाया जाए बीमा संरक्षण
- परिमाणीय तकनीक—रेखीय कार्यक्रम बनाना, परिवहन, नियत कार्य की समस्याएँ, पट तथा सी० पी० एम० मात्रिकीय नियंत्रण प्रमेय, ई० डी० पी० आई० डिपद तथा साधारण प्रवारों का प्रयोग करते हुए पर—विशेषण (पोस्टीरमर एनेलाईमिमि) वयुमंग प्रमेय—एक सरणी (मिगल चैनल), अनुकूलण (मिसुलेशन) प्रश्नपत्र 7 —प्रत्यक्ष कर।
- (एक प्रश्नपत्र—तीन घंटे—100 अंक)

ज्ञान का स्तर : विशेषज्ञ ज्ञान

उद्देश्य : (1) यह जांचना कि क्या विद्यार्थियों ने आयकर अधिनियम 1961, संपत्ति कर अधिनियम 1957, उपहार कर अधिनियम 1958 और संबंधित नियम तथा अग्रणी मामलों से उपर्युक्त मिद्दातों का समृच्छित ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

(2) यह जांचना कि क्या विद्यार्थियों में वास्तविक व्यवहार की विभिन्न परिस्थितियों में विशेषज्ञता उन श्रेणी के संदर्भ में जहां कर आयोजन किया जा सकता है। कानून के उपर्युक्तों को प्रयोग करने की योग्यता है।

## विस्तृत विषय वस्तु :

- आयकर अधिनियम 1961
- संपत्ति कर अधिनियम 1957
- उपहार कर अधिनियम 1958

प्रत्यक्षकर संबंधी नियमों का प्रावरण करने समय विद्यार्थी स्वयं को कर आयोजन संबंधित विभिन्न विचारों से सुपरिचित कर नहीं। इसमें निर्दिष्ट प्रबंध नियमों से संबंधित कर अनंतित, विदेशी मूल्यों ममताओं, अंतर्राष्ट्रीय, कर प्रकृष्ट कामिक क्षतिपूर्ति योजनाएँ, करों से अधिकानम छूट प्राप्त करने के लिए पानन की जाने वाली लेखा-विषय की तथा अन्य पूर्वविधान सम्मिलित हैं।

प्रश्नपत्र 8—अप्रत्यक्ष कर

(एक प्रश्नपत्र—तीन छंटे—100 अंक)

प्रार्थक का स्तर : कार्यसाधक शास्त्र

उद्देश्य : यह जांचना कि विद्यार्थियों ने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा तटकर का नियमण, करने वाले नियमों के मूलभूत सिद्धांतों का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है—

## विस्तृत विषय वस्तु :

- अध्यतन संशोधित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 अथवा नमक संशोधित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क टैरिक अधिनियम 1985 तटकर तथा उत्पादन शुल्क राजस्व अपील अधिकरण अधिनियम 1986
- सीमा शुल्क का स्वरूप—विद्यार्थी इतिहास, व्याप्ति आदि केन्द्रीय सीमा शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 के अंतर्गत सीमा शुल्क का उद्ग्रहण तथा संचयन, अधिसूचनाओं, प्रशुल्क जानकारी तथा व्यापारिक नोटिस के कानूनी प्रभाव
- उत्पादन शुल्क योग्य वस्तुओं के विनिर्माण तथा निष्काण्ड का नियमण करने वाले उपबंध;
- केन्द्रीय सीमा शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944, केन्द्रीय सीमा शुल्क (मूल्यांकन) नियम 1975 के अंतर्गत मूल्यांकन तथा मूल्य सुचियों का अनुमोदन—
- अधिनियारिण तथा वर्गीकृत सूचियों के काइल करने समय अनुमोदन के नियमों के संबंध में, केन्द्रीय सीमा शुल्क टैरिक अधिनियम 1988 के अंतर्गत वस्तुओं का वर्गीकरण
- अनंतिम कर निर्धारण सहित कर निर्धारण, स्वयं निष्काण्ड प्रक्रिया, इयूटी का भुगतान तथा इयूटी की दर, अधिसेक पर आधारित नियमण तथा उत्पादन पर आधारित नियमण
- कम उद्ग्रहण, उद्ग्रहण का न होना, गलती से धन वापसी की मंजूरी—अधिक इयूटी का भुगतान, धन की वापसी तथा कम उद्ग्रहण या उद्ग्रहण के न होने की स्थिति में केन्द्रीय सरकार के अधिकार
- लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया—ओपकारिकताएँ तथा संबंधित बंधपत्र
- उत्पादन शुल्क वाले माल के भंडारण से संबंधित प्रक्रिया, इयूटी के भुगतान का समय एवं प्रणाली, माल को विवित करने के नियम, माल के निष्काण्ड से संबंधित द्वारपत्र तथा अर्थ सामले
- अधिसेकों तथा रविस्ट्री का रज रखाव तथा विवरणी का फाइल करना।
- इयूटी दिए हुए माल का कारबाने में प्रवेश तथा प्रतिधारण
- विशेष औद्योगिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग किए गए माल पर राजस्व की माफी
- नियति के लिए राजस्व की वापसी (इयूटी ड्रा बैंक) की प्रक्रिया
- प्रोफार्मी जैडिट तथा मोडेल

13. विभागीय संगठन संरचना—अधिनियम तथा अपील की प्रक्रिया, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण तथा उत्पादन राजस्व अपील अधिकरण

14. अपराध तथा दंड

15. नष्ट उद्योगों के लिए छूट

II. सीमा शुल्क अधिनियम 1962 तथा सीमा शुल्क टैरिक अधिनियम 1975

- सीमा शुल्क के उद्ग्रहण तथा छूट के नियमण करने वाले सिद्धांत
- माल के वर्गीकरण तथा मूल्यांकन के आधारभूत सिद्धांत
- सीमाशुल्क प्राधिकारी, सीमाशुल्क पतन, भंडारण स्टेशनों आदि की नियुक्ति
- माल के आयात तथा नियाति को नियंत्रण करने वाले उपबंध, बैगेज, ड्राइवर आयाति या नियाति वस्तुओं तथा भंडार से संबंधित विशेष उपबंध
- माल के लाने दें जाने तथा भंडारण से संबंधित विस्तृत प्रक्रिया
- भुगतान की हुई सीमा शुल्क की वापसी

एम० सी० नरसिंहन,  
सचिव

मम्बई—400 005, विनांक 2 जून 1989

स० ३ इम्पू० सी० ए० (4)/4/89-90—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 की उपधारा (1) के छण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अहने सदस्यता रजिस्टर से निम्नलिखित सदस्य का नाम उनकी पर हटा दिया है।

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता	विनांक
स०	सं		
1.	1540	श्री जी० एस० बोरकर बी-65/621, एम० आई० जी० कालोनी, बांद्रा (ईस्ट), मम्बई-400 051।	01-04-89

एम० सी० नरसिंहन, गच्छिव

मम्बई-600 034, विनांक 25 जून 1989

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट)

स० ३-एम० सी० ए० (4)/2/89-90—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (ब) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से श्री श्री० विश्वनाथन, 59, रीफिंड मैन रोड, फैन्ड मैन ८-७, गोपीनाथ, अद्योदीपी० श्री० श्री० मम्बास- 600 020, का नाम उनकी अपील प्रार्थना पर 1 अप्रैल 1989 से हटा दिया है।

उनकी सदरपता रम्या 13081 है।

दिनांक 30 जून 1989

(चार्टर्ड एकाउंटेन्ट्स)

म 3-एम० सी० ए० (5)/5/89-90—इस संस्थान की अधिसूचना ग ० ३ एस० सी० ए० (4)/०/८८-८९ दिनांक 27 जनवरी 1989, के मन्दरमें में चार्टर्ड प्राप्त नेत्राकार विनियम 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एन्टव्हारा यह सूचित किया जाता है कि उमी विनियमों के विनियम 19 द्वारा पद अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त नेत्राकार संस्थान परिवद ने अपने गदम्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई नियम स्थापित कर दिया है।

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक
सं०	संख्या		
1.	19409	श्री आर० जयाकृष्णा, ए० सी० ए०, ५८१२, सैन्ट्रल ब्रॉडवे, एवरेट, डब्ल्यू० ए० ९८२०४ य० एस० ए०	२९-५-८९
2.	21414	श्री मदानन्द वी० रायकर, ए० सी० ए०, केयर आफ एम० क० सेठ, वैकुन्दे विलिंग, विश्वानगर, हुबली-५८० ०२१।	१२-६-८९
एम०सी० नरसिंहन सचिव			

श्री इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स

एकाउंटेन्ट्स आफ इंडिया

कलकत्ता, दिनांक 25 मई 1989

सं० सी० डब्ल्यू० आर० (125)/89—श्री कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेन्ट्स रेज्यूलेशन्स 1959 के विनियम 11 के उप-विनियम (3) का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि श्री पी० क०० यमक, वी०क०म० ए०क० सी० ए०, ए०क० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, २६/२, गरियाहाट रोड, कलकत्ता-७०००२९, (मदस्यता संख्या एम०/४०९) के अध्यापक करने का प्रमाण-पत्र उनकी निजी प्रार्थना पर 25 मई 1989 से 30 जून 1989 तक के लिए रद्द किया जाता है।

16-सी० डब्ल्यू० आर० (876)/89—श्री कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेन्ट्स रेज्यूलेशन्स 1959 के विनियम 16 का अनुसरण कर यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेन्ट्स आफ इंडिया के परिवद ने कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेन्ट्स अधिनियम 1959 की धारा 20 की उपधारा (1) द्वारा दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री वी० बसन्ता रात्र, वी० कौम, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, १०४८ सेकेण्ड फ्लॉर, राजाजीनगर, बंगलौर-५०००१० (मदस्यता संख्या एम०/६४१६) के नाम को उनकी निजी प्रार्थना पर 1 अप्रैल 1989 से सदस्य पंजिका से हटा दिया।

दिनांक 3 जुलाई 1989

11 सी० डब्ल्यू० आर० (126)/89—श्री कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेन्ट्स रेज्यूलेशन्स 1959 के विनियम 11 के उप-विनियम (3) का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि श्री तपत कुमार दत्ता, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए० जे०-०५२९ गहारपुर गोड गाँवनरेच, कलकत्ता २४ (मदस्यता संख्या एम०/५४५) के अध्यापक करने का प्रमाण-पत्र उनकी निजी प्रार्थना पर 27 जून 1989 से रद्द किया जाता है।

सं०१६-सी० डब्ल्यू० आर० (877-78)/89—श्री कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेन्ट्स रेज्यूलेशन्स 1956 के विनियम 16 का अनुसरण कर यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेन्ट्स अधिनियम 1956 की धारा 20 की उपधारा (1) द्वारा दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त नेत्राकार संस्थान परिवद ने अपने गदम्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई नियम स्थापित कर दिया है।

श्री० सी० भट्टाचार्या, सरि

कर्मचारी राज्य बीमा नियम

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1989

सं० एन०-५/१३/१३/२/८५—योजना एवं विकास (2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने १६-७-१९४९ देसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम १९५४-तथा उत्तर प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम १९५४ से निर्दिष्ट चिकित्स हितलाभ उत्तर प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे।

अर्थात्—

“राजस्व ग्राम रामपुर, नूरपुर, कुश्यांशुट, भूपटपटी, धनसुआ, अतलापुर भोमपुर, पोपीहुपुर, भाऊपुर, नरायमपुर, सतनपुर, अल्लानगर उर्फ बड़पुर गहानपुर, चांदीपुर, नेकपुर, कला, नेकपुर खुरू, खाबन्दी (प्रमुख फर्साबाद गहर में) अल्लानगर, बड़पुर, परामा पहाड़ा, लहसील सरर फर्साबाद में अल्ला नगर, बड़पुर, फर्साबाद और फरेहाड़ की नगरपालिका के सीमा के अन्तर्गत”

स० एन०-१५/१३/१३/४/८२—योजना एवं विकास (2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम-३९५० के विनियम १५-के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम १९४८ (१९४८ का ३४) की धारा ४ (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने १६-७-८ एमी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम १९५४-के तथा उत्तर प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम १९५४ में निर्दिष्ट चिकित्स हितलाभ उत्तर प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जायेंगे।

अर्थात्

“राजस्व सोमाकेन के अन्तर्गत दोनों—जिन्दल नगर, हिन्दून नगर, झासना, गनन, पिलकुप्रा हापुड़ रोड, गजियाबाद”

सुप्रभास घोष,  
निदेशक (योजना एवं विकास)

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1989

सं० य०-१६/५३(१)/८९-१०-२ (महाराष्ट्र) —कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम, १९५० के तहत महानिदेशक को नियम की चालितय प्रदान करने के मध्यमें कर्मचारी गज्य बीमा नियम की दिनांक २५ अप्रैल, १९५१ की हुई वैठक में पास किए गए सकल के अनुसरण में

तथा महानिदेशक के बाबिंश मध्या 1024 (जी) दिनांक 23 मई, 1943 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं उसके द्वारा डा० (श्रीमती) कन्तारे को विद्यमान मानकों के अनुसार देय पारिश्रमिक पर दिनांक 27-6-89 से एक वर्ष के लिए या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यभार ग्रहण करने की नियत तक, इसमें से जो भी पहले हो, दादर कन्द्र (बम्बई) के श्रीमान्कुम अधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता में संदेह होने पर उस्तु आगे प्रमाण-पत्र जारी के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी में स्पष्ट से कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता है।

दिनांक, 20 जुलाई 1989

मं० म०-16/53(1)/89-वि०-2 (महाराष्ट्र) —कर्मचारी गत्य बीमा (माधारण) विनियम, 1950 के तहत महानिदेशक को नियम वी शक्तियां प्रवान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा नियम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को द्वाई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसारण में तथा महानिदेशक के अवैश्य मंड्या 1024 (जी) दिनांक 23 मई, 1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं उसके द्वारा डा० (श्री) आर० आयुक्ते को विद्यमान मानकों के अनुसार देय पारिश्रमिक पर दिनांक 18-7-89 से एक वर्ष तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यभार ग्रहण करने की नियत तक, इसमें से जो भी पहले हो, इच्छाकालनजी केन्द्र के बीमाकृत अधिकारी की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता में संदेह होने पर उस्तु आगे प्रमाणपत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के स्पष्ट में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता है।

डा० के० एम० मवेना,  
चिकित्सा आयुक्त।

क्षेत्रीय कार्यालय उडीमा

कर्मचारी राज्य बीमा नियम

भुवनेश्वर-751007, दिनांक 31 जनवरी 1989

विषय:—स्थानीय समिति, आई० डी० ए० के० मिक्रोल० एरिया, गाउरकेला का पुनर्गठन।

मं० 44-बी०-34/12/82-समस्या—एसड्डारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10-ए के अन्तर्गत उडीमा राज्य में आई० डी० ए० के० मिक्रोल० एरिया, गाउरकेला के लिए स्थापित स्थानीय समिति का पुनर्गठन किया गया है जिसमें निम्नलिखित अधिकृत अधिकृत अध्यक्ष तथा मदर्स्य होंगे:—

1. विनियम 10-ए(1)(ए) के अन्तर्गत:

उप अध्यक्ष, गाउरकेला . अध्यक्ष  
(अध्यक्ष, क्षेत्रीय बोर्ड द्वारा नामित)

2. विनियम 10(ए)(1)(बी) के अन्तर्गत:

जिला श्रम अधिकारी, गाउरकेला मदर्स्य  
(सरकार द्वारा नामित)

3. विनियम 10(ए)(1)(सी) के अन्तर्गत:

प्रभारी बीमा चिकित्साधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा श्रीपदालय, मोनपर्वत (आई० डी० ए० के० मिक्रोल० एरिया, गाउरकेला/सरकार द्वारा नामित)

4. विनियम 10(ए)(1)(डी) के अन्तर्गत:

मिशनकों के प्रतिनिधि  
1. श्री एम० पंडा, श्रम कल्याण अधिकारी, मदर्स्य  
मैसर्स आई० डी० ए० के० मिक्रोल० एरिया

2. श्री बी० के० मोहनी, महायक प्रबंधक (वित्त), मदर्स्य  
मैसर्स आई० डी० ए० के० मिक्रोल० एरिया

5. विनियम 10(ए)(1)(ई) के अन्तर्गत:  
कर्मचारियों के प्रतिनिधि

1. श्री ए० के० मोहनी, सचिव, आई० डी० ए० के० वर्करूंग यूनियन, मदर्स्य  
वर्करूंग यूनियन, गाउरकेला

2. श्री बी० बहादुर, आई० डी० ए० वर्करूंग यूनियन, मदर्स्य  
गाउरकेला

3. श्री ए० दमा थाय, महामन्त्री, हैंडियन  
डिटोनेटर्स मजदूर सभा, गाउरकेला। मदर्स्य

6. विनियम 10(ए)(1)(एफ) के अन्तर्गत:  
प्रबंधक, स्थानीय कार्यालय, कर्मचारी गत्य बीमा नियम, मदर्स्य तथा  
राउरकेला। पदेन सन्ति  
(कर्मचारी राज्य बीमा नियम द्वारा नामित)  
यह पुनर्गठन अधिसूचना की तारीख से प्रभावी होगा।

विजय कुमार, देशीय निदेशक

मंत्रार मंत्रालय

दाक विभाग

नई दिल्ली-110 001, दिनांक 17 जुलाई 1989

सूचना

मं० 25-11-89-ए० आई०—विभाग की अभिरक्षा से गुम हुई निम्नलिखित दाक जीवन बीमा पालिसीयों के बारे में एतश्वारा सूचना दी जानी है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, दाक जीवन बीमा, बलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम द्वारा पालिसीयां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। संवानिधारण को जेतावनी दी जानी है कि वे मूल पालिसीयों के बारे में लेन-देन न करें।

क्रम सं०	पालिसी मंड्या	दिनांक	बीमाकर्ताओं का नाम	राशि (रुपये)
1.	325525-बी	1-1-78	श्री आर० ए० कलमाथ	5,000/-

ज्योत्सना धीण, निदेशक (बी० ए० आई०)

श्रम मंत्रालय

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 8 जुलाई 1989

मा० का०.....जहां अनुसूची-I—में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) (कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत घूट के लिए आवेदन किया है) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी० ए० मोम, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अनग श्रंगशान या श्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोप सहवास बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत

स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्वीम कहा गया है)।

अन: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ मंलगन अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी० एन० १०० मोम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछानी तारीख से प्रभावी जिम नियम से उक्त स्थापना को शोधीय भविष्य नियंत्रित आयुक्त, अम्बर्ड (मद्राशाड़) ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत दील प्रदान की है, ३ चर्च की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट देना है।

### अनुसूची—I

क्रम सं	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि
1.	मैसर्स लल्लूभाई अमीरान्द नि०, २२५/२७, ज० वाराजी रोड़, पोस्ट ऑफिस न० ४०७५ अम्बर्ड-४००००१। (मुख्यालय, केन्द्रीय कार्यालय और कारणवाना अम्बर्ड में)	एम० एन०-३५४	१-११-१९८७
2.	मैसर्स महिंद्रा युगाहन स्टील ए० नि०, बद्रनावर नारीमन प्लाईट, अम्बर्ड-४००२१। (अम्बर्ड में मुख्यालय और प्लांट दोनों)	एम० एच०-७१२३	१-६-१९८८
3.	मैसर्स दाई-इचि करकारीया लि०, लिवर्टी विलिंग, मर विट्टलदास थैकसे मार्ग, (नई मैगिन लाईन), अम्बर्ड-४०००२०	एम०-एच०-७२२२	१-३-१९८८
4.	मैसर्स कुलकर्णी इंजीनियरिंग एसोसिएट्स प्रा० लि०, १९५/६, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सांगली-४१६४१६।	एम० एच०-७५०६	१-६-१९८७
5.	मैसर्स इंडस्ट्रीयल उवेल्स प्रा० लि०, ३२, रामजी भाई कमानी मार्ग, गलडे इस्टेट, अम्बर्ड-४०००३८	एम० एच०-११२५८	१-१०-१९८७
6.	मैसर्स स्पेशल स्टील्स लि०, बी० वायर प्लाट, प्लाट न० ए०-६, नारापुर इंडस्ट्रीयल एरिया, पो० ओ० बोइसर, जिला थाने-४०१५०६	एम० एच०-१६०३९	१-११-१९८७
7.	मैसर्स भारत शाट लाइसिंग, ६, अनुपम इंडस्ट्रीयल इस्टेट न० १, रेली थील के सामने, एम० बी० एम० मार्ग, भूतूद (पश्चिम), अम्बर्ड-४०००३०	एम० एच०-२३७९४	१-७-१९८८

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित केन्द्रीय भविष्य नियंत्रित आयुक्त, को ऐसी

विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा सथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुक्तिवादी प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य नियंत्रित आयुक्त, मण्डल-ममत्य पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के १५ दिन के भीतर संबाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा १२ की उपधारा (३क) के खण्ड-के के अधीन समय-ममत्य पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संबाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति सथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उस मुक्त बातों का अनुबाद स्थापना के मूल्यन पद्धति पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मकारी जो कर्मचारी भविष्य नियंत्रित का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य नियंत्रित का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संवत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से बढ़ि किए जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुप्रय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किमी बात के होते हुए भी यदि किमी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संरेख राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संरेख होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध बारिसनाम निर्देशितों को प्रतिकर दोनों राशियों के अन्तर के रूप में बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबद्धों में कोई भी संशोधन संबंधित केन्द्रीय भविष्य नियंत्रित आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना होता हो, वह केन्द्रीय भविष्य नियंत्रित आयुक्त जपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किमी कारणवास स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले आना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किमी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किमी कारणवास नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन्त्रित करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिमी को व्यवहरण हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्ति की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विविध बारियों से जो यदि वह छूट न दी गई होती सो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधिक्षित नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के गवर्नर में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किमी सदस्य की मृत्यु पर उसके हक्कावार नाम निर्देशितों/विविध

वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

(संख्या: 2/1950/डी० एन० आई०/पूट/89/भाग-1)  
डी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त।

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम 1986

नई दिनांक—110055, दिनांक 13 जुलाई 1989

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 36 के उपबन्ध (ज) और (ज) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् केन्द्र सरकार की पूर्व स्वीकृति से भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम 1986 में आगे संशोधन करते हुए निम्न विनियमों का निर्माण करती है, यथा :—

- (1) इन विनियमों को भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) संशोधन विनियम 1989 कहा जाय।
- (2) ये विनियम प्रथम जुलाई 1989 से प्रभावी होंगे।
- भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम 1986 को वियमान अनुसूची—1 के लिए निम्न को प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :—

अनुसूची—1

1. उद्देश्य एवं प्रयोजन:

आयुर्वेदीय शिक्षा का उद्देश्य व्यापक प्रशिक्षण के साथ आयुर्वेद के मूल निदानों के अनुरूप वैशानिक ज्ञान सहित आयुर्वेद के गहन आधार वाल प्रकाण्ड पाणित्व युक्त स्नातक उत्पन्न करना होना चाहिए जो देश की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में कार्य करते हुए पूर्णतः सक्षम कार्य-चिकित्सक एवं साल्य-चिकित्सक, योग्य एवं दक्ष अध्यापक, अनुसंधानकर्ता होंगे।

2. प्रवेशाधारा:

(1) विद्यान (भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान) तथा संस्कृत सहित 12 वीं कक्षा।

जहां 12 वीं कक्षा (जीव-विज्ञान वर्ग) में वैकल्पिक विषय के स्पष्ट में संस्कृत की शिक्षा का प्रायोग्य और सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं वहां 12 वीं कक्षा (जीव-विज्ञान वर्ग) के छात्रों को प्रवेश दिया जाये और संस्कृत को मुख्य पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाय।

अध्ययन

सम्पूर्णनिव अनुसूचित विषयविद्यालय की विज्ञान एवं और्गेजी सहित उत्तर मध्यमा।

अध्ययन

राज्य मरकारों/परीक्षा से संबंधित राज्य शिक्षा मंडलों द्वारा मान्य कोई अन्य समश अहेता।

(2) यदि राज्य मरकार या विषयविद्यालय चाहे तो उत्तर मध्यमा अध्ययन वर्गेयतः संस्कृत सहित हायर सेकेन्डरी/पी० य० सी० या उसके समकक्ष कोई अन्य परीक्षा के विषय में एक वर्ष की अवधि का प्रायायुर्वेद पाठ्यक्रम तथा पूर्वमध्यमा या वरीयतः संस्कृत सहित एस० एस० एल० सी०/मट्रिक या उसके समकक्ष

परीक्षा के संबंध में दो वर्ष की अवधि का प्रायायुर्वेद पाठ्यक्रम वर्ष 1990 तक जारी रहेगा।

3. प्रवेश के लिए न्यूनतम वयः—

- प्रायायुर्वेद पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश वर्ष में प्रथम अक्टूबर को 15 वर्ष।
- प्रायायुर्वेद पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में प्रवेश के लिए प्रवेश वर्ष में प्रथम अक्टूबर को 16 वर्ष।
- मुख्य आयुर्वेद पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश वर्ष में प्रथम अक्टूबर को 17 वर्ष।

4. पाठ्यक्रम की अवधि

(I) प्रायायुर्वेद पाठ्यक्रम	.	.	2/1 वर्ष
(II) उपाधि पाठ्यक्रम	.	.	5-1/2 वर्ष
(क) प्रथम व्यावसायिक	.	.	18 माह
(ख) द्वितीय व्यावसायिक	.	.	18 माह
(ग) तृतीय व्यावसायिक	.	.	24/18 माह
(घ) विशिष्टानुप्रवेश	.	.	6/12 माह

अध्ययन पाठ्यक्रम की कुल अवधि यदि 4-1/2 वर्ष में पूरी की जाती है तो विशिष्टानुप्रवेश की अवधि 12 माह की होगी। 12 माह के विशिष्टानुप्रवेश के प्रशिक्षण की स्थिति में प्रशिक्षण के 6 माह विशिष्ट विभागों के अधीन चिकित्सीय प्रशिक्षण के लिए प्रदान किए जायें। 6 माह के विशिष्टानुप्रवेश को जारी रखने के इच्छुक राज्य/विशिष्टविद्यालय तृतीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम को 24 माह का रखें, ताकि विशिष्टानुप्रवेश सहित पाठ्यक्रम की कुल अवधि 5-1/2 वर्ष हो।

प्रथम 18 माह गैर-चिकित्सीय विषयों के अध्ययन के लिए लगाए जाएंगे। किसी भी छात्र को सूतीय व्यावसायिक परीक्षा में जीतने की तब तक अनुमति नहीं हो जाएगी जब तक उसने द्वितीय व्यावसायिक के समस्त विषय उत्तीर्ण नहीं कर लिए हों।

5. प्रदान की जाने वाली उपाधि:

आयुर्वेदाचार्य (बैचलर आफ आयुर्वेदिक मेडीसिन एण्ड सर्जरी)

अध्यर्थी को विहित अवधि सक विहित पाठ्यक्रम के अध्ययन को पूरा करने और अनिम परीक्षा उत्तीर्ण करने और अंतिम परीक्षा के पश्चात् 6 माह/1 वर्ष के अनिवार्य विशिष्टानुप्रवेश के संतोषजनक रूप से पूरा करने के पश्चात् आयुर्वेदाचार्य (बैचलर आफ आयुर्वेदिक मेडीसिन एण्ड सर्जरी) की उपाधि प्रदान की जाएगी।

6. शिक्षा का माध्यम :

संस्कृत, हिन्दी अथवा कोई मान्य लोकाय भाषा।

7. आयुर्वेद महाविद्यालय में प्रविष्ट किए जाने हेतु छात्रों की न्यूनतम संख्या :—

प्रवेश पूर्णतः 1 : 3 छात्र—शय्या अनुपात के अनुरूप दिया जाय अर्थात् प्रति वर्ष महाविद्यालय से संलग्न अस्पताल में 3 शय्याओं के आधार पर 1 छात्र को प्रवेश दिया जाए।

एक आयुर्वेद महाविद्यालय में प्रविष्ट किए जाने हेतु छात्रों की न्यूनतम संख्या 20 होनी चाहिए।

8. 1 प्रथम व्यावसायिक परीक्षा : (1-1/2 वर्ष के अन्त में आयोजित)

(i) प्रथम व्यावसायिक की अवधि जुलाई के प्रथम दिन से आगम्ह होगी और अगले वर्ष 31 दिसम्बर को समाप्त होगी। परीक्षाएं साधारणतयः विश्वार अन्त तक पूरी हो जाएंगी। प्रथम व्यावसायिक की पूरक परीक्षा—परिणाम घोषित होने के दो माह के भीतर होगी। परवर्ती प्रथम व्यावसायिक की परीक्षा प्रत्येक छात्रों में होगी और अनुत्तीर्ण छात्र को प्रथम व्यावसायिक को उत्तीर्ण करने हेतु तीन अवसर प्रदान किए जायेंगे।

तथापि प्रथम व्यावसायिक परीक्षा के एक अधिक विषयों में अनुसूतीर्ण छात्र को द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम को जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। समस्त विषयों में उत्तीर्ण छात्रों को ही तृतीय व्यावसायिक की परीक्षा में बैठने की अनुमति होगी।

(ii) प्रथम व्यावसायिक की परीक्षा निम्न विषयों में होगी :—

1. पदार्थ विज्ञान	4. आयुर्वेद का इतिहास
2. अंटीग्र संग्रह (सूत्र स्थान)	5. रक्त शरीर
3. संस्कृत	6. किया शरीर

(iii) अध्यर्थियों को इस परीक्षा में बैठने से पूर्व प्रथम व्यावसायिक परीक्षा के विविहित विषयों में विहित सैद्धान्तिक एवं क्रियात्मक पाठ्यक्रम को पूरा करने का प्रमाण—पत्र प्राप्त करना होगा।

(iv) परीक्षा में एक या अधिक विषयों में अनुसूतीर्ण अध्यर्थी पूरक परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

(v) प्रथम व्यावसायिक परीक्षा को तीन अवसरों में भी उत्तीर्ण करने में असफल अध्यर्थियों को अपना अध्ययन जारी रखने की अनुमति नहीं होगी। तथापि अध्यर्थी की गंभीर प्रकृति की अस्वस्थना एवं अपरिहायं स्थिरता/परिस्थिति में विश्वविद्यालय का कुलपति प्रथम व्यावसायिक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने का एक और अवसर दे सकता है।

#### 8.2 द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा: (तीन वर्ष के अन्त में आयोजित)

(i) द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रथम व्यावसायिक परीक्षा के पश्चात जनवरी माह में प्रारम्भ होगा और परीक्षा साधारणतः तीन वर्ष की पूर्णता के पश्चात जून/जुलाई में होगी।

(ii) द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा प्रथम व्यावसायिक परीक्षा के 1-1/2 वर्ष पश्चात निम्न विषयों में होगी :—

1. रम—शास्त्र एवं धैर्यज्ञ कल्पना	4. रोग विज्ञान एवं विकृति विज्ञान
2. द्रव्यगुण विज्ञान	5. चरक संहिता
3. अगदतंत्र, व्यवहारायुक्त एवं विशिष्यक	6. स्वस्थवृत्त

(iii) अध्यर्थी को पूरक परीक्षा में बैठने का पात्र होने के लिए कम से कम एक विषय में उत्तीर्ण होना चाहिए।

(iv) द्वितीय व्यावसायिक की पूरक परीक्षा साधारणतः सितम्बर में होगी और पूरक परीक्षा में एक या अधिक विषयों में अनुसूतीर्ण छात्र परवर्ती द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा जो प्रति छह माह के पश्चात होगी में बैठने का पात्र होने।

(v) जो अध्यर्थी पूरक में प्रथम व्यावसायिक परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं और तत्पश्चात द्वितीय व्यावसायिक के लिए पंजीकृत होते हैं तो उन्हें ग्रीष्मावधार की अनुमति नहीं होगी और उन्हें उस अवधि के बीचारा प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा।

#### 8.3 तृतीय व्यावसायिक परीक्षा: (4 $\frac{1}{2}$ /5 वर्ष के अन्त में आयोजित)

(i) अन्तिम व्यावसायिक परीक्षा प्रथम व्यावसायिक परीक्षा के तीन शैक्षणिक सत्रों के पश्चात होगी और उसमें निम्न विषय होंगे :—

1. प्रसूति तंत्र, स्त्री रोग	4. शत्यतंत्र
2. कौमार भूत्य	5. शालाक्य तंत्र
3. कार्यचिकित्सा	6. चरक संहिता

(ii) यदि परीक्षार्थी अन्तिम व्यावसायिक परीक्षा में एक या अधिक विषयों में अनुसूतीर्ण रहता है, तो वह उन विषयों के लिए परवर्ती तृतीय व्यावसायिक परीक्षा में बैठने का पात्र होगा जो प्रति 6 माह के पश्चात होगी।

9. अनिवार्य विशिष्यानुप्रवेश

(क) 6/12 माह का अनिवार्य आवर्णी विशिष्यानुप्रवेश अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् अपने राज्य में उपनब्ध शिक्षण आमुरालय/आमुर्वेदिक आमुरालय और औषधालय तथा प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार केन्द्रों में पूरा करना होगा।

(ख) प्राधिकरियों जिनके अधीन प्रांगिक्षण प्राप्त किया गया कि अनुसूतांसारों पर आन्वार्य द्वारा यथा प्रमाणित विशिष्यानुप्रवेश के पूरा होने पर अध्यर्थी आयुर्वेदार्थार्थ (बैकलर आफ आयुर्वेदिक मैडिसिन एण्ड मर्जिन) उपाधि प्रदान किए जाने का पात्र होगा।

10 (क) विषय में कक्षा कार्य के निर्धारण के समय निम्न तथ्यों को विचारार्थीन रखा जाय :—

(i) उपस्थिति में नियमितता

(ii) आवधिक परीक्षा

(iii) प्रयोगशाला का रिकार्ड नोट बुक और यथा अपेक्षित चिकित्सीय इतिवृत्त पत्रक

(ख) भिन्न परीक्षा के लिए प्रत्येक छात्र के लिए एक कक्षा अनुसूती बनकर रखा जाएगा। प्राचार्य व्याद्यानों एवं क्रियात्मक निर्देशों के प्रत्येक पाठ्यक्रम के अन्त में छात्रों अध्यापकों के हस्ताक्षर प्राप्त करने की व्यवस्था करेंगे और प्रत्येक परीक्षा के प्रारम्भ होने से पूर्व अंतिम पूर्णता के लिए पत्रक प्रत्येक विभागाध्यक्ष को भेजेगा।

11. परीक्षा :

(i) विषय में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले अध्यर्थी को उस विषय में विशेष योग्यता प्रदान की जाएगी।

(ii) निम्न विषयों में 75 प्रतिशत सकल अंक प्राप्त करने वाले अध्यर्थी को अंतिम परीक्षा में मनोपाधि सहित उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा :—

1. पदार्थ विज्ञान
2. रक्त शरीर किया शरीर
3. द्रव्यगुण विज्ञान/रसशास्त्र
4. कार्यचिकित्सा/रोग विज्ञान
5. ग्रस्यतंत्र/शालाक्य तंत्र/प्रसूति तंत्र

(iii) केवल उन्हीं अध्यर्थियों को मनोपाधि अवधा विशेष योग्यता के लिए विचार किया जाएगा जिन्होंने उपाधि परीक्षा के प्रत्येक भाग को प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण किया है। विषयों में विशेष योग्यता के संबंध में केवल वही विशेष योग्यता के पात्र होगे जिन्होंने अपनी व्यावसायिक परीक्षा एक ही बार में उत्तीर्ण कर ली हो।

(ख) यदि अध्यर्थी ने व्यावसायिक परीक्षा के न्यूनतम एक विषय को उत्तीर्ण किया हो और एक अध्या अधिक विषयों में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अनुसूतीर्ण रहा हो तो वह पूरक परीक्षा का पात्र होगा। सकल अंक सैद्धान्तिक और क्रियात्मक दोनों के योग से गिरने जाएंगे।

(ग) प्रत्येक विषय में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक सैद्धान्तिक और क्रियात्मक में पृथक-पृथक 50 प्रतिशत होंगे।

12. प्रश्न—पत्रों की संख्या और सिद्धान्त/क्रियात्मक के लिए अंक:

विषय	प्रश्न—पत्रों	सैद्धान्तिक प्रायोगिक/मौजिक	
		संख्या	कुल अंक
1	2	3	3
1. आयुर्वेद का इतिहास	एक	100	—
2. संस्कृत	दो	200	50
3. पदार्थ विज्ञान	दो	200	50

1	2	3	4
4. अटोग संग्रह	एक	100	50
5. रचना शारीर	दो	200	200
6. क्रिया शारीर	दो	200	100
7. स्वस्थवृत्त	दो	200	100
8. द्रव्यगुण विज्ञान	दो	200	200
9. रसायास्त्र भौतिक्य कल्पना	दो	200	100
10. अग्रदृशतंत्र—व्यवहारायुक्तेद एवं विधि वैद्यक	एक	100	100
11. रोग विज्ञान एवं विज्ञान विज्ञान	दो	200	100
12. चरक संहिता	एक	100	50
13. प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग	दो	200	100
14. कौमार भूष्य	एक	100	100
15. काय चिकित्सा	प्रार	400	200
16. शल्यतंत्र	दो	200	100
17. शालाक्य तंत्र	दो	200	100
18. चरक संहिता	एक	100	50
13. 1 विभिन्न विषयों के लिए व्याख्यानों, प्रायोगिकों एवं निर्देशों की मंजूरी			

विषय	व्याख्यान	प्रायोगिक एवं निर्देश
<b>प्रथम व्यावसायिक के विषय</b>		
1. आयुर्वेद का इतिहास	60	—
2. पदार्थ विज्ञान	150	30
3. मंसूत	150	—
4. अटोग संग्रह	60	—
5. रचना शारीर	210	210
6. क्रिया शारीर	210	90
<b>द्वितीय व्यावसायिक के विषय</b>		
7. स्वस्थवृत्त	180	50
8. द्रव्यगुण विज्ञान	180	90
9. रस—शास्त्र एवं भौतिक्य कल्पना	180	90
10. रोगविज्ञान एवं विज्ञान विज्ञान	180	90
11. चरक संहिता	100	—
12. अग्रदृशतंत्र व्यवहारायुक्तेद एवं विधि वैद्यक	100	50
<b>तृतीय व्यावसायिक के विषय</b>		
13. प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग	150	तीन माह के लिए अनुभाल में।
14. कौमार भूष्य	90	एक माह
15. काय चिकित्सा	400	12 माह
16. शल्य तंत्र	210	6 माह
17. शालाक्य तंत्र	210	4 माह
18. चरक संहिता	100	—

टिप्पणी :—सैड्डानिक एवं प्रायोगिक की कायावधि 60 मिनट (एक घंटा) की अवधि से बहुत नहीं होगी। चिकित्सीय विषयों एवं रचना शारीर (शब्द-च्छेदन) की प्रायोगिक कायावधि कम से कम 120 मिनट (दो घंटे) की होगी।

13.2 महानिविधालय से संलग्न चिकित्सालय में छात्रों का चिकित्सीय प्रणिक्षण निम्न प्रकार होगा :—

(i) काय चिकित्सा (अमरंग एवं वहिंग)	12 माह
(क) सामान्य	6 माह
(ख) पंचकर्म	2 माह
(ग) भानम रोग	15 दिन
(घ) मंकामक रोग	15 दिन
(ड) ध-किरण	1 माह
(च) आन्यायिक	2 माह
(ii) शल्य तंत्र (शल्यरंग)	6 माह
(क) सामान्य	5 माह (कम से कम 1 माह शल्यकक्ष में)
(ख) आन्यायिक	1 माह
(iii) शालाक्य तंत्र (शल्यरंग एवं वरिंग)	4 माह
(क) सामान्य	3 माह (कम से कम एक माह शल्यकक्ष में)
(ख) आन्यायिक	1 माह
(iv) प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग	3 माह
(v) कौमार भूष्य	1 माह

14. अध्यापकों के लिए अहेमाणे एवं अनुभव (एक जूलाई 1980 के पश्चात बंग भर्ती नियमों के लिए जाग)

(i) अनिवार्य	
(क) विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय अथवा भारतीय चिकित्सा के मार्किनिक मंडल/मंकाय/परीशा निकाय से आयुर्वेद में उपाधि या उसके समान जो भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद अधिनियम 1970 के अधीन मान्य हो।	
(ख) विषय/संबंधित विषय में स्नातकोत्तर अर्हता जो भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद अधिनियम 1970 की अनुसूची में मान्यित हो।	
(ग) मंसूत का पर्याप्त ज्ञान	

(ii) अनुभव

(क) प्राध्यापक के पद के लिए:	विषय में कुल 10 वर्ष का अध्यापन अनुभव आवश्यक है जिसमें से प्रवाचक/सहायक प्राध्यापक के रूप में 5 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। अथवा जहाँ पर प्रवाचक/सहायक प्राध्यापक का पद नहीं है, संबंधित विषय में व्याख्याता के रूप में 10 वर्ष का अनुभव होना चाहिए।
------------------------------	--

(ख) प्रवाचक के पद के लिए:

संबंधित विषय में 5 वर्ष का अध्यापन अनुभव आवश्यक है जिसमें से संबंधित विषय में व्याख्याता के पद पर तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव होना चाहिए।

(ग) व्याख्याता के पत्र के लिए: अध्यापन अनुभव आशयक नहीं है।

(3) वांछनीय

अपने विषय पर मूल प्रकाशित पत्र/पुस्तकों पर।

टिप्पणी :

यदि निम्न विषयों के लिए स्नातकोत्तर अर्हताधारक उपलब्ध न हों तो विषय में सामने उल्लिखित विषयों में प्राप्त स्नातकोत्तर अर्हता ग्राह्य होंगी।

विषय का नाम	स्नातकोत्तर विज्ञान
1. स्वस्थवृत्त	1. कायचिकित्सा
2. अगदतंत्र	2. भौतिक सिद्धांत

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110 002, the 18th July 1989

(CHARTERED ACCOUNTANT)

No. 1-CA(7)/7/89.—The following draft of certain amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1988, which it is proposed to make in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (3) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (XXXVIII of 1949) is published for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken up for consideration on or after 15th September 1989.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the specified date will be considered by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, New Delhi.

1. These Regulations may be called the Chartered Accountants (3rd Amendment) Regulation, 1989.
2. These Regulations shall come into force from such date as may be specified by the Council.

3. In the said Regulations—

I. For the existing Regulations 23, 24, 25 and 26 substitute the following :—

“23. (1) *Admission to the Entrance Examination:*

No candidate shall be admitted to the Entrance Examination unless he is a graduate within the meaning of Clause (ix) of sub-regulation (1) of Regulation 2 or is undergoing the graduation course.

Provided that a candidate who having appeared at the Entrance Examination held after 1st January, 1985 has failed in the said examination on three occasions, shall not be admitted to the Entrance Examination.

(2) *Admission fee for the Entrance Examination.*

A candidate for admission to the Entrance Examination shall pay such fee as may be fixed by the Council from time to time.

(3) *Syllabus for the Entrance Examination.*

A candidate for admission to the Entrance Examination shall be examined in the subjects prescribed in paragraph 1 of Schedule 'B'.

(4) Notwithstanding anything contained in these Regulations, the Council may, at any time after the commencement of the Foundation Examination, discontinue the Entrance Examination.

विषय का नाम	स्नातकोत्तर विज्ञान
3. पदार्थ विज्ञान	भौतिक सिद्धांत
संक्षिप्त/इतिहास	
4. रोग विज्ञान	कायचिकित्सा
5. रजना शारीर/क्रिया शारीर	1. शारीर
6. शास्त्राध्य	ज्ञानाध्य/शस्य
7. निष्वेतना एवं ध-फिरण	शस्य और/शास्त्राध्य

राजकुमार जैन, निवन्धक एवं सचिव  
भारतीय विकित्सा केन्द्रीय परिषद्

24. *Registration for the Foundation Course*

(1) No candidate shall be registered for the Foundation Course unless he has passed the Senior Secondary Examination conducted by an examining body constituted by law in India or an examination recognised by the Central Government as equivalent thereto.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1) above, a person who has appeared in his final Senior Secondary Examination or an examination recognised by the Government or the Council as equivalent thereto may also be provisionally registered for the Foundation Course by the coaching organisation set-up under the aegis of the Council.

Provided that the provisional registration of a person shall be confirmed only after satisfactory proof has been furnished by him to the coaching organisation within a period of six months from the date of provisional registration of having passed the aforesaid examination. Where such a person fails to produce such proof within the aforesaid period his provisional registration shall be cancelled and no part of the registration fee or the tuition fee paid by him shall be refunded and for the purpose of these Regulations no credit shall be given for the theoretical instructions undergone.

(3) Before admission to the Foundation Course, a candidate shall pay such fee, as may be fixed by the Council from time to time.

25. (1) *Admission to the Foundation Examination*

No candidate shall be admitted to the Foundation Examination unless he produces a certificate from the head of the coaching organisation, by whatever name designated, to the effect that he is registered with the coaching organisation and has complied with the requirements in this behalf of the postal tuition scheme.

Provided, however, that commerce graduates with Accountancy as one of the subjects carrying 100 marks and securing atleast 60 percent marks in the aggregate and other graduates with Mathematics as one of the subject carrying 100 marks and securing atleast 70 percent marks in the aggregate, shall be exempted from passing the Foundation Examination. If otherwise eligible, they shall be permitted to register directly as articled/audit clerks to receive practical training prescribed under these regulations.

(2) *Admission fee for the Foundation Examination*

A candidate for the Foundation Examination shall pay such fees as may be fixed by the Council from time to time.

(3) *Syllabus for the Foundation Examination*

A candidate for the Foundation Examination shall be examined in the subjects prescribed in paragraph 1A of Schedule 'B'.

26. *Admission to the Intermediate Examination*

No candidate shall be admitted to the Intermediate Examination unless—

- (i) he has either passed the Entrance Examination or the Foundation or is exempted from passing either of the said examinations under these Regulations;
- (ii) he has completed not less than nine months of service as an articled clerk or as an audit clerk or partly as an articled clerk and partly as an audit clerk, three months prior to the first day of the month in which the examination is held; and
- (iii) he produces a certificate from the head of the coaching organisation, by whatever name designated, to the effect that he has complied with the requirements in this behalf of the postal tuition scheme :

Provided that the aforesaid certificate shall be valid for such period computed from the date of its issue as may be specified by the coaching organisation, whereafter the candidate shall have to obtain a fresh certificate after fulfilling such conditions as may be imposed by the coaching organisation in that behalf."

II. For the existing Regulations 28 and 29, substitute the following :—

“28. *Syllabus for the Intermediate Examination*

(1) A candidate for the Intermediate examination held after 1st January, 1985 shall be examined in the groups and subjects prescribed in paragraph 2 of the Schedule 'B'.

(2) Notwithstanding anything contained in these Regulations, the Council may, at any time after introduction of the 3rd amendment to these regulations, discontinue holding the Intermediate examination as per the syllabus given in paragraph 2 of Schedule 'B' and require the candidates to pass the Intermediate examination as per the syllabus given in paragraph 2A of Schedule 'B'.

29. *Admission to the Final Examination* :

No candidate shall be admitted to the Final examination unless—

- (i) he has either passed the Intermediate examination under these Regulations or the Chartered Accountants Regulations, 1964, or the Intermediate or the First examination under the Chartered Accountants Regulations, 1949, or was exempted from passing the First examination under the Chartered Accountants Regulations, 1949;
- (ii) he has completed the practical training as is required for admission as a member or has yet to serve not more than three months of practical training at least three months prior to the first day of the month in which the examination is held ;

*Explanation :*

In computing the aforesaid balance period of three months of practical training, leave taken in excess of 138 days in the case of articled clerks and 184 days in the case of audit clerks shall be regarded as the period yet to be served under articled or audit service, as the case may be.

- (iii) he produces a certificate from the head of the coaching organisation, by whatever name designated, to the effect that he has been registered as a student of the Final Course for a minimum period

of six months prior to the first day of the month in which the examination is held;

- (iv) there has been a time interval of atleast one Final Examination between the passing of the Intermediate Examination and the First appearance at the Final examination.”

III. For the existing Regulation 31, substitute the following :—

“31. *Syllabus for the Final Examination*.

(1) A candidate for the Final examination shall be examined in the groups and subjects prescribed in paragraph 3 of Schedule 'B'.

(2) Notwithstanding anything contained in these Regulations, the Council may, at any time, after introduction of the 3rd amendment to these regulations, discontinue holding the Final examination as per the syllabus given in paragraph 3 of Schedule 'B' and require the candidates to pass the Final examination as per the syllabus given in paragraph 3A of Schedule 'B'.”

IV. For the existing Regulations 36, 37 and 38, substitute the following :—

“36. (1) *Requirement for passing the Entrance Examination*

A candidate for the Entrance Examination shall ordinarily be declared to have passed the examination if he obtains at one sitting a minimum of 40 per cent marks in each paper and a minimum of 50 percent of the total marks of all the papers.

(2) *“Requirement for passing the Foundation Examination*

A candidate for the Foundation Examination shall be declared to have passed the examination if he obtains at one sitting a minimum of 40 percent marks in each paper and a minimum of 50 percent of the total marks of all the papers.

37. *Requirements for passing the Intermediate Examination*.

(1) A candidate shall ordinarily be declared to have passed the Intermediate examination if he passes in both the groups. He may appear in both the groups simultaneously or in one group in one examination and in the remaining group at any subsequent examination,

(2) A candidate shall be declared to have passed in both the groups simultaneously if he secures at one sitting a minimum of 40 percent marks in each paper of both the groups and a minimum of 50 percent marks in the aggregate of all the papers of both the groups taken together.

(3) A candidate shall be declared to have passed in a group if he secures at one sitting a minimum of 40 percent marks in each paper of the group and a minimum of 50 percent marks in the aggregate of all the papers of that group.

(4) A candidate who has passed in any one but not in both the groups of the Intermediate examination held under the scheme of examinations prior to the 3rd amendment to these Regulations, shall be entitled to the exemptions from appearance in the papers, specified in the following table, in the Intermediate examination to be held under the 3rd amendment to these Regulations, he shall be declared to have passed the Intermediate examination if he secures at one sitting a minimum of 40 percent marks in each of the remaining papers and a minimum of 50 percent marks in the aggregate of all such remaining papers put together.

Provided a candidate who is exempted from appearing in five papers will be declared to have passed in the said examination if he secures a minimum of 50 percent marks in the remaining paper.

## TABLE 'A'

Papers of the Intermediate examination passed under Schedule 'B' to the Chartered Accountants Regulations, 1964.	Exemptions to which the candidate is entitled at any Intermediate examination under the 3rd amendment to these Regulations.
<b>Group I</b>	
Paper 1 : Accounting	Paper (1) : Advanced Accounting (Group I)
Paper 2 : Accounting	Paper (1) : Advanced Accounting (Group I)
Paper 3 : Auditing	Paper (2) : Auditing (Group I)
<b>Group II</b>	
Paper 4 : Cost Accounts & Statistics	Paper 4 : Cost Accounting (Group II)
Paper 5 : Mercantile Law & Company Law	Paper 3 : Corporate and Other Laws (Group I)
Paper 6 : General Commercial Knowledge	Nil

## TABLE 'B'

Papers of the Intermediate Examination passed under Schedule 'BB' to the Chartered Accountants Regulations, 1964 or under Schedule 'B' to the C.A. Regulations, 1988.	Exemptions to which the candidate is entitled at any Intermediate Examination under the 3rd amendment to these Regulations.
<b>Group I</b>	
Paper 1 : Accounting	Paper 1 : Advanced Accounting (Group I)
Paper 2A : Company Accounts	Paper 5 : Income tax and Central Sales Tax (Group II)
2B : Elements of Income-tax	
Paper 3 : Cost Accounting	Paper 4 : Cost Accounting (Group II)
Paper 4 : Auditing	Paper 2 : Auditing (Group I)
<b>Group II</b>	
Paper 5 : Mercantile Law, Company Law & Industrial Law	Paper 3 : Corporate & Other Laws (Group I)
Paper 6 : Business Mathematics & Statistics	Nil
Paper 7 : Organisation & Management and Economics	Paper 6 : Organisation & Management and Fundamentals of Electronic Data Processing (Group II)

(5) A candidate who has passed in any one but not in both the groups of the Intermediate Examination held under the Chartered Accountants Regulations, 1988 shall continue to be governed by the provisions of these Regulations till the commencement of Intermediate Examination to be held under the 3rd amendment to these Regulations.

*38. Requirements of passing the Final Examination*

(1) A candidate shall ordinarily be declared to have passed the Final examination if he passes in both the groups. He may appear in both the groups simultaneously or in one group in one examination and in the remaining group at any subsequent examination.

(2) A candidate shall be declared to have passed in both the groups simultaneously if he secures at one sitting, a minimum of 40 percent marks in each paper of both the groups and a minimum of 50 per cent marks in the aggregate of all the papers of both the groups taken together.

(3) A candidate shall be declared to have passed in a group if he secures at one sitting a minimum of 40 percent marks in each paper of the group and a minimum of 50 percent marks in the aggregate of all the papers of that group.

(4) A candidate who has passed in any one but not in both the groups of the Final examination held under the scheme of examinations prior to the 3rd amendment to these Regulations shall be entitled to the exemptions from appearing in the papers specified in the following tables, in the Final Examination to be held under the 3rd amendment to these Regulations, he shall be declared to have passed the Final examination if he secures at one sitting a minimum of 40 percent marks in each of the remaining papers and a minimum of 50 percent marks in the aggregate of all such remaining papers taken together.

Provided a candidate who is exempted from appearing in seven papers will be declared to have passed in the said examination if he secures a minimum of 50 marks in the remaining paper.

TABLE 'C'

Papers of the Final Examination passed under Schedule 'B' to the Chartered Accountants Regulations, 1964.	Exemption to which the candidate is entitled at any Final Examination under the 3rd amendment to these Regulations.
<b>Group I</b>	
Paper 1 : Advanced Accounting	Paper 1 : Advanced Accounting (Group I)
Paper 2 : Advanced Accounting & Management Accounting	Paper 2 : Management Accounting (Group I)
Paper 3 : Costing	Paper 5 : Advanced Cost Accounting (Group II)
Paper 4 : Auditing	Paper 3 : Auditing (Group I)
Paper 5 : Taxation	Paper 7 : Direct Taxes (Group II)
<b>Group II</b>	
Paper 7 : Company Law	Paper 4 : Corporate Laws (Group I)

TABLE 'D'

Papers of the Final examination passed under Schedule 'BB' to the Chartered Accountants Regulations, 1964—prior to 1st Jan., 1985 under three group system.	Exemption to which the candidate is entitled at any Final examination under the 3rd amendment to these Regulations.
<b>Group I</b>	
Paper 1 : Advanced Accounting	Paper 1 : Advanced Accounting (Group I)
Paper 2 : Financial Management	Paper 2 : Management Accounting (Group I)
Paper 3 : Auditing	Paper 3 : Auditing (Group I)
<b>Group II</b>	
Paper 4 : Company Law	Paper 4 : Corporate Laws (Group I)
Paper 5 : Direct-Tax Laws	Paper 7 : Direct Taxes (Group II)
<b>Group-III</b>	
Paper 8 : Systems Analysis & Data Processing	Paper 6 : System Analysis, Data Processing & Quantitative Techniques (Group II)
Paper 9 : Cost Records & Cost Control.	Paper 5 : Advanced Cost Accounting (Group II)

TABLE 'E'

Papers of the Final examination passed under Schedule 'BB' to the Chartered Accountants Regulations 1964 or under the Regulations of 1988 (under two group system) prior to the commencement of the examination under the 3rd amendment to these Regulations.	Exemption to which the candidate is entitled at any Final examination under the 3rd amendment to these Regulations.
<b>Group I</b>	
Paper 1 : Advanced Accounting	Paper 1 : Advanced Accounting (Group I)
Paper 2 : Management Accounting	Paper 2 : Management Accounting (Group I)
Paper 3 : Auditing	Paper 3 : Auditing (Group I)
Paper 4 : Company Law	Paper 4 : Corporate Laws (Group I)
Paper 5 : Direct Tax Laws	Paper 7 : Direct Taxes (Group II)
Paper 7 : Systems Analysis & Data Processing	Paper 6 : Systems Analysis, Data Processing and Quantitative Techniques (Group II)
Paper 8 : Cost Systems & Cost Control	Paper 5 : Advanced Cost Accounting (Group II)

(5) A candidate who has passed in any one but not in both the groups in the Final examination held under the Chartered Accountants Regulations, 1988 shall continue to be governed by the provisions of those Regulations till the commencement of Final Examination to be held under the 3rd amendment to these Regulations.

V. Delete sub-regulation (6) of Regulation 43, and subsequent sub-regulations be remembered as sub-regulation (6), (7), (8) and (9).

VI. The Explanation to the proviso to existing sub-regulation (8) of Regulation 43, be substituted by the following :—

*Explanation :*

For the purpose of this sub-regulation, a member who sets up practice, with practice as his main occupation, after having been in employment for a minimum period of six years in one or more financial, commercial or industrial undertakings approved under Regulations 51 and 72 shall be deemed to have been in continuous practice for three years."

VII. For the existing Regulation 45(1)(b), substitute the following :—

"(b) such a person—

- (i) is not less than 18 years of age on the date of commencement of articles;
- (ii) has either passed the Foundation Examination or has been exempted from passing the Foundation Examination under these Regulations.

Provided that graduates who have passed the Entrance Examination shall continue to be eligible to register themselves as articled clerks."

VIII. Delete the existing sub-regulation (5) of Regulation 46, and re-number the subsequent sub-regulations as (5), (6) and (7).

IX. For the existing sub-regulation (2) of Regulation 51, substitute the following :—

"(2) The period of industrial training may range between nine months and twelve months during the last year of the prescribed period of practical training."

X. Delete the existing sub-regulation (3) of Regulation 57, re-number the subsequent sub-regulation (4), as sub-regulation (3) and substitute by the following :—

"(3) In every case referred to in sub-regulation (1) or sub-regulation (2) above, the provisions of regulation 46 shall apply 'mutatis mutandis' except that no fee shall be payable by the articled clerk."

(Proviso remains unchanged, hence not reproduced here).

XI. For the existing Regulation 60, substitute the following :—

"60. *Working hours of an articled clerk :*

Subject to such directions as may be issued by the Council, the working hours of an articled clerk shall be 35 hours per week to be regulated by the Principal from time to time."

XII. For the existing Regulation 64, substitute the following :—

"64. *Report to the Council.*

(1) The Principal shall maintain a record about the progress of training imparted by him to the articled clerk, in such form and manner as may be determined by the Council from time to time.

(2) The Principal shall submit the records of training maintained as and when required by the Council. In the event of the death of the Principal his legal representative or the surviving partner shall submit the records, as and when required by the Council."

XIII. For the existing sub-regulation (5) of Regulation 68, substitute the following :—

"(5) A member shall be entitled to engage a person as an audit clerk only if such person had been in service as a salaried employee for a minimum period of one year either under him or in the firm of chartered accountants in practice wherein he is a partner, on a monthly remuneration at the rates specified below, depending upon where the normal place of service of the audit clerk is situated :—

- (a) cities with a population of one million and above; Rs. 750/- per month
- (b) cities/towns having a population of less than one million. Rs. 500/- per month

*Explanation :*

For the purpose of this sub-regulation, the figures of population shall be taken as per the last published Census Report of India."

XIV. For the existing Regulation 69(1)(b), substitute the following :—

"(b) such a person—

- (i) is not less than 18 years of age on the date of commencement of audit service;
- (ii) has either passed the Foundation Examination or has been exempted from passing the Foundation Examination under these Regulations.

Provided that graduates who have passed the Entrance Examination shall continue to be eligible to register themselves as audit clerks."

XV. Delete the existing sub-regulation (5) of Regulation 69, and re-number the subsequent sub-regulations as (5) and (6).

XVI. For the existing sub-regulation (2) of Regulation 72, substitute the following :—

"(2) The period of industrial training may range between nine months and twelve months during the last year of the prescribed period of practical training."

XVII. In Schedule 'A', after the existing Form "10", add the following Form "10A":—

" "Form '10A' "

(See Regulation 40)

Roll No. \_\_\_\_\_

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

(Emblem)

Foundation Examination Certificate

This is to certify that ..... of ..... has passed the Foundation Examination held by the Institute of Chartered Accountants of India in the month of ..... 19.....

Given under the common seal of the Institute of Chartered Accountants of India, this ..... day of ..... 19.....

(Seal)

Secretary"

**XVIII. In Schedule 'B':—**

(i) At the end of paragraph 1, add the following new paragraph 1A :—

**"1A—Papers and Syllabus for the Foundation Examination.**

**Paper 1—Fundamentals of Accounting**

**(One Paper—Three Hours—100 marks)**

**Level of Knowledge :** Basic Knowledge.

**Aim :** To ensure acquisition of theoretical knowledge sufficient to provide a foundation for the professional examinations.

**Detailed Contents :**

1. Accounting as a measurement discipline, Income measurement and related accounting concepts. Other accounting concepts. Relationship of accounting with economics and statistics. Role of an accountant in society.

2. Accounting process leading to the preparation of trial balance including rectification of errors, and preparation of final accounts (for non-corporate entities).

3. Depreciation accounting including methods thereof.

4. Inventory valuation.

5. Accounting for special transactions :

(a) Consignments;

(b) Joint Ventures;

(c) Average Due Date; and

(d) Bills of Exchange and Promissory Notes.

6. Self-Balancing Ledgers.

7. Simple problems in partnership accounts.

8. Receipts and Payments Account and Income and Expenditure Account and Balance Sheet including accounts of professional concerns.

**Part 2—Mercantile Law**

**(One Paper—Three Hours—100 Marks)**

**Level of Knowledge :** Basic Knowledge.

**Aim :** To ensure that the students have grasped the provisions of those branches of law with which they would be normally concerned in their professional work.

**Detailed contents :**

1. The Indian Contract Act, 1872 including Indemnity and Guarantee, Bailment and Pledge and Agency.

2. The Indian Partnership Act, 1932.

3. The Sale of Goods Act, 1930.

**Paper 3—Mathematics and Statistics**

**(One Paper—Three Hours—100 Marks)**

**Level of Knowledge :** Basic Knowledge.

**Aim :** To ensure that the students have a basic understanding of important quantitative tools and their elementary application to business problems.

**Detailed contents :**

**(Section A—Mathematics—50 Marks)**

1. Number bases and binary arithmetic; conversion of a given base; Binary fractions.

2. Linear, Quadratic, Exponential and Logarithmic functions. Concept and determination of break-even point.

3. Arithmetic and Geometric Progression including series.

4. Permutations and Combinations.

5. Matrices—meaning and operations, matrix inversion, solution to systems of linear equations by matrix inversion as well as pivotal reduction method.

6. Graph of linear inequalities in two variables.

7. Calculus—

(a) Elements of trigonometry—to enable a student to learn integral calculus with the aid of trigonometric ratios trigonometric ratios of angles associated with a given angle, addition formulae, Multiple and sub-multiple angles, Transformation of sums into products and vice-versa, Definition of inverse circular function.

(b) Elements of differentiation, simple applications of differential co-efficients, maxima and minima of univariate functions; Rules of integration for indefinite and definite integrals. Simple application of integration to accounting and business problems.

**(Section B—Statistics—50 Marks)**

1. Classification and tabulation of data.

2. Measures of central tendency and dispersion.

3. Correlation and Regression (Linear and Bivariate only).

4. Probability and expected value.

5. Elements of theoretical distribution—Binomial, Poisson, Normal.

6. Concept of standard error, interval estimation, determination of sample size, tests of hypotheses, analysis of variance.

7. Time series and forecasting.

8. Index Numbers.

9. Statistical decision theory—Pay-off and Regret Matrices. Decision making without probability and decision making with probability.

**Paper 4—Economic**

**(One Paper—Three Hours—100 Marks)**

**Level of knowledge :** Basic Knowledge.

**Aim :** (i) To provide basic knowledge of the framework of the economic theory to the extent it is useful for accountants; and

(ii) To ensure that the students are aware of the economic development of the country leading to the contemporary state in which the economy is placed.

**Detailed Contents :**

**Micro Economics**

1. Nature and scope of Economics, Economic Models and their uses.

2. Demand and Supply, Laws of Demand and Supply, Elasticity of Demand and Supply, Factors affecting Demand and Supply, Demand forecasting.

3. Meaning of Production, Factors of Production, Scale of Production, Law of Returns, Major components of costs.

4. Meaning of a Market, Types of Markets, Theory of price and output determination in different market structures and in different economic systems.

## Indian Micro Economic Environment.

1. Economic Growth in India—Population and Economic Growth.
2. General profile of agriculture and industry in India; Interdependence of industry and agriculture for economic advancement in India.
3. Industrial Policy of Government, Industrial Growth in India—Problems and prospects.
4. National income in India—Theory and Application.
5. Fiscal Policy in India.
6. Indian Monetary Policy—The functions of commercial banks and Reserve Bank of India.
7. Indian International trade—Exports and Imports—Balance of Trade and Payments."

(ii) At the end of paragraph 2, add the following new paragraph 2A :—

"2A. Papers and Syllabus for the Intermediate Examination.

## GROUP I

## Paper 1—Advanced Accounting

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

Level of knowledge : Working Knowledge.

Aim : To test the ability of the students to prepare accounting records and final accounts in order to reflect the economic transactions and financial affairs of business and other organisations in accordance with current legal requirements and professional standards.

## Detailed Contents

1. Departmental Accounts and Branch Accounts (including Foreign Branches); Royalty, Hire Purchase and Instalment Sale Transactions; Investment Accounts; Packages and Empties; Goods on Sale or Return; Voyage Accounts; Contract Accounts; Computation of Insurance Claims for Loss of Stock and Loss of Profit.
2. Accounts for Agricultural Farms.
3. Higher level problems on partnership Accounts (including dissolution and conversion into company).
4. Company Accounts—Issue of shares and debentures and redemption of shares and debentures; Preparation of Final Accounts of Companies.
5. Preparation of Final Accounts of Banking, Insurance and Electricity Companies.
6. Simple problems of amalgamation, absorption and reconstruction.
7. Statement of Affairs (including deficiency/surplus Accounts) and Liquidator's Statement of Account of the winding up.
8. Preparation of accounts from incomplete records (single entry).
9. Simple ratio analysis.
10. Introduction to the system of government accounting.

## Paper 2—Auditing

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

Level of knowledge : Working Knowledge.

Aim : To test the understanding of the students regarding the techniques and procedures of auditing as also their ability to apply the same to normal practical situations.

## Detailed Contents :

1. Auditing—nature and scope, audit process, objectives of audit, basic principles governing an audit. Types of audits, Relationship of auditing with other subjects, Internal Audit and External Audit.
2. Conduct of audit—audit programmes—working papers—audit note books—audit files—permanent audit files.
3. Audit evidence—physical verification, documentation, scanning, direct confirmation, recomputation, obtaining certificates.
4. Evaluation of Internal Control System—need and its impact on detailed checking.
5. Test Checking/Techniques of test checks—elements of statistical sampling.
6. Audit of payments—general considerations—wages—capital expenditure—other payments and expenses—petty cash payments; Audit of payments into and out of the bank—reconciliation of the bank statements with the cash book.
7. Audit of receipts—general considerations—cash sales—receipts from debtors—other receipts.
8. Audit of purchases—vouching cash and credit purchases—forward purchases—purchases returns.
9. Audit of sales—cash and credit sales—goods on consignment—sale on approval basis—sale under hire-purchase agreement—returnable containers—various types of allowances given to customers—sales returns—sales ledger.
10. Audit of suppliers' ledger and the debtors' ledger—self—balancing and the sectional balancing system—total or control accounts—loose leaf and card ledgers—confirmatory statements from credit customers and suppliers—provision for bad and doubtful debts.
11. Audit of impersonal ledger—capital expenditure, deferred revenue expenditure and revenue expenditure—outstanding expenses and income—repairs and renewals—distinction between reserves and provisions—implications of change in the basis of accounting.
12. Valuation and verification of assets—general principles—fixed assets, wasting assets, current assets including verification of cash-in-hand and at bank, investments, inventories, freehold and leasehold property, loans, bills receivable, sundry debtors, plants and machinery, patents.
13. Verification of Liabilities.
14. Audit of Incomplete records.
15. Special points in audit of different types of undertakings i.e. Educational Institutions, Hotels, Clubs, Hospitals, Hire-purchase and Leasing Companies etc. (excluding banks, electricity companies, co-operative societies and insurance companies).
16. Audit of limited companies—appointment of auditors, removal of auditors, the powers and duties of auditors, the auditor's report, audit of share capital, transfer of shares.
17. Features of Government Audit—Comptroller and Auditor General and his constitutional role; Basic principles of government auditing.
18. Auditing in EDP Environment—basic consideration.

## Paper 3—Corporate and Other Laws

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

Level of Knowledge : Working Knowledge.

Aim : To test the general comprehension of the provisions of certain corporate and other laws and their applications to practical situations.

**Detailed Contents :**

1. The Companies Act, 1956 : Sections 1 to 145.
2. The Negotiable Instruments Act, 1881.
3. The Payment of Bonus Act, 1965, Basic awareness of the following Acts :
4. The Payment of Gratuity Act, 1972.
5. The Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952.
6. The Societies Registration Act, 1860.
7. The Co-operative Societies Act, 1912.

**GROUP II****Paper 4—Cost Accounting**

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Level of Knowledge :** Working Knowledge.

**Aim :** To assess the understanding of costing concepts and the application of the methods and techniques of cost accounting.

**Detailed Contents :**

1. Objectives, importance and advantages of Cost Accounting, Cost concepts, Types of costing, Installation of a costing system, Essentials of a good cost accounting system, Difference between Cost Accounting and Financial Accounting, Elements of cost, cost unit and cost centre.
2. Materials :
  - (a) Materials purchase procedure, receiving and inspection.
  - (b) Materials control, objectives of materials control, classification and codification of materials, inventory control methods fixation of stock levels, maximum level, minimum level, re-order quantity, re-order level, ABC analysis, two bin system, perpetual inventory system, physical verification of inventory.
  - (c) Material issue procedure, bill of material, return of material, transfer of material.
  - (d) Stores records—bin cards, stores ledger, pricing of material issues including materials returned to vendors and stores.
  - (e) Accounting for wastages, scrap, spoilages, defectives and obsolete materials.
  - (f) Accounting for control over tools, patterns, designs, blue prints, dies and other similar assets of short-term value.
3. Labour :
  - (a) Labour cost control, its importance, time-keeping, time booking and their objectives, methods of time keeping and time booking. Time and motion study.
  - (b) Control of idle time, over-time and their treatment in cost accounting, Labour turnover, its causes, methods of measuring, effects of labour turnover, how to minimise labour turnover, cost of labour turnover, treatment of the cost of labour turnover.
  - (b) Systems of wage payment including bonus and incentive schemes, job evaluation, merit rating, methods of job evaluation.
4. Overheads :
  - (a) Accounting and control of manufacturing overhead, classification of overhead, grouping and codification, collection and departmentalisation of manufacturing overhead, re-apportionment,

overhead absorption methods, treatment of under or over absorption of overhead.

- (b) Accounting and control of administrative, selling and distribution overheads.
- (c) Treatment of certain items in costing, e.g., depreciation, interest on capital, research and development expenses, packing expenses, fringe benefits, etc.
5. Methods of Costing, Viz. :
  - (i) Job Costing
  - (ii) Contract Costing
  - (iii) Batch Costing
  - (iv) Process Costing—Joint products and by-products
  - (v) Unit Costing
  - (vi) Operation Costing and Operating Costing.
6. (a) Preparation and presentation of cost data and information particularly tabulation of cost data, preparation of cost sheets and cost statements. General introduction to Cost Accounting Records and Rules (industry-wise details are not expected).
- (b) Cost control accounts, Non-integrated accounts, Reconciliation of cost and financial accounts, Integrated system of cost and financial accounts.
7. Marginal Costing, methods of segregating semi-variable costs into fixed and variable components, Concepts of Break-Even analysis, Standard Costing and Variance Analysis (elementary problems).

Budgetary Control (elementary problems).

8. Uniform costing and inter-firm comparison.

**PAPER 5—Income Tax and Central Sales Tax**

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Level of Knowledge :** Working Knowledge.

**Aim :** (a) To test the understanding of the students regarding the basic principles underlying the substantive provisions of Income-tax Law and their application in solving simple problems on computation of income of an individual under various heads of income.

(b) To test whether the students have acquired a working knowledge of the basic principles of Central Sales Tax Act.

**SECTION 'A'—Income Tax (75 Marks)****Detailed Contents**

Certain important definitions in the Income-tax Act, 1961, such as Agricultural Income, Assessee, Assessment Year, Capital Asset, Company, Indian Company in which public are substantially interested, Charitable Purpose, Dividend, Income, Person, Short-term Capital Asset, Transfer.

- Concept of previous year.
- Basis of charge, Residential status and scope of total income.
- Income deemed to be received/deemed to accrue or arise in India.
- Incomes which do not form part of total income.
- Heads of income and the provisions governing computation of income under different heads.
- Income of other persons included in assessee's total income.
- Aggregation of income and set-off or carry forward of losses.
- Deductions from gross total income.

**4. Overheads :**

- (a) Accounting and control of manufacturing overhead, classification of overhead, grouping and codification, collection and departmentalisation of manufacturing overhead, re-apportionment,

- Income-tax Authorities, Appointment, Control, Jurisdiction, Powers.
- Procedure for assessments, appeals and revisions. Students will be expected to tackle simple problems concerning assesses with status of individual covering the above areas.

### SECTION 'B'—Central Sales Tax (25 Marks)

#### The Central Sales Tax Act, 1956

Paper-6—Organisation & Management and Fundamentals of Electronic Data Processing

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

### SECTION 'A'—Organisation & Management (50 Marks)

Level of Knowledge : Working Knowledge.

**Aim :** To ensure that the students have grasped various concepts and functions of organisation and management relevant to a professional accountant.

#### Detailed Contents

##### 1. Introduction

Basic concepts of Organisation and Management—Nature and types of Organisations—Basic elements of Organisations and their role in economy and society.

Management—Historical development—Theoretical perspectives of Management, Elements, processes and functions of management—Environmental influences on Organisation and Management—Organisational Objectives—Social responsibilities of Management.

##### 2. Planning and decision making

Basic concepts and principles of planning and decision making—Their relationship to other managerial functions. Elements, techniques and processes—Types of plans and decisions—Implementation of plans and decisions.

##### 3. Organising and Staffing

Basic concepts of organising and staffing—Structural design of organisation and its importance, Departmentalisation, span of control, delegation, centralisation, line-staff, etc.—Traditional and modern organisational structures—Principles of organising and staffing—Application to accounting and finance functions.

##### 4. Directing and Leading

Basic concept and techniques. Communication, motivation and leadership—Processes and approaches—The concept, principles and applications of organisational behaviour.

##### 5. Control and Coordination

Basic concepts, elements, processes and techniques of control and co-ordination.

### SECTION 'B'—Fundamentals of Electronic Data Processing (50 Marks)

Level of Knowledge : Basic Knowledge.

**Aim :** To ensure understanding and appreciation of broad nature and fundamentals of Electronic Data Processing.

#### Detailed Contents

1. Elements of Data Processing—data, information, input, processing and output. Data Concepts—fields, records, files, file structure.
2. Computers and their characteristics, brief history of computers, computer hardware, basic operations of a computer, categories of commercial computers—main frames, mini-computers, micro computers.

3. Input devices—magnetic tape, magnetic disk, floppy disk, MICR, OCR, VDU, etc.

Output devices—printers, VDU, computer out-put microfilming.

Terminals and data communications, Networks, Distributed Systems.

Software—systems software, application software, specification software.

Electronic spread sheet, Word-processing, Data base management systems.

Data representation—Binary, BCD, Octal, Hexadecimal EBCDIC and ASCII.

Types of computer memory—core, semi-conductor, RAM, ROM, bubble. Concepts relating to memory addressing.

4. Computer, processing techniques—batch processing, on-line processing, off-line processing, multi-programming, time sharing, real time processing. Data base—Features of distributed versus centralised data base. Recent advances in computer technology relating to commercial computers.

5. Introduction to flow charts : systems flow charts, run flow charts, program flow charts—illustrations, benefits and limitations. Decision tables—types, illustrations, benefits and limitations.

6. Introduction to computer programming : hierarchy of computer languages, simple program writing using COBOL and BASIC languages.

(iii) At the end of paragraph 3, add the following new paragraph 3A :—

“3A :—Papers and Syllabus for the Final Examination.

### GROUP I

#### Paper 1—Advanced Accounting

(One paper—Three Hours—100 Marks)

Level of Knowledge : Expert Knowledge.

**Aim :** To test the understanding of the students regarding the professional standards, principles and procedures of accounting as well as their ability to apply the same to different practical situations.

#### Detailed Contents

1. Advanced problems of Company Accounts.
2. Higher problems of amalgamation, absorption and reconstruction.
3. Valuation of business and shares.
4. Consolidated accounts of Holding Companies.
5. Accounting Standards, Statements and Guidance Notes on various accounting aspects issued by the Institute and applications thereof with particular reference to the above topics.
6. Developments in accounting—Inflation adjusted accounts, Human Resources Accounting, Social Accounting and Value Added Statements.
7. Limitations of Financial Statements.

Interpretation and analysis of financial statements including interpretation and analysis of financial data, Ratio analysis, Counter-check by two different ratios, Limitations of ratios. Comparative statement analysis and Inter-firm comparisons.

8. Cash flow, statement of source and application of funds.
9. Special features of accounting for non-profit making organisations and public utilities.

## Paper 2—Management Accounting

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

Level of Knowledge : Expert Knowledge.

**Aim :** To assess whether the students have acquired a sound knowledge of the concepts and techniques of management accounting and related managerial decision making of organisations including Public Sector Undertakings.

Detailed Contents :

1. Meaning, Importance and Objectives of Financial Management : Functions of a Finance Manager.
2. Short-term and Long-term Financial Planning and Forecasting; Predicting the incipient industrial sickness; Operating and Financial Leverage; Cost-Volume—Profit Analysis.
3. Management of Working Capital—Cash Management, Receivables Management, Inventory Management and Financing or Working Capital.
4. Sources of long-term and short-term finance; control on Capital issues including Bonus Shares; Capital Structure; Dividend Policy; Lease Financing; Issue of shares and securities; Listing of securities.
5. Capital Budgeting—Preparation of Project Report, Financial Projections, Techniques for Evaluation of Capital Projects like Payback Method, Rate of Return, Discounted Cash Flow—Net Present Value and Internal Rate of Return Methods; Capital Rationing; Risk Analysis in Capital Budgeting and Evaluation of Risky Investments; Social Cost Benefit Analysis; Network Techniques for Control of Capital Budgeting—PERT and CPM.
6. Cost of Capital—Cost of different Sources of Finance, Weighted Average Cost of Capital, Marginal Cost of Capital.
7. Budgets & Budgetary control—Functional Budgets (Including Responsibility Budgets) leading to preparation of Master Budget; Fixed and Flexible budgeting, Performance budgeting, Zero-Base budgeting; Reporting for performance at different levels.
8. Negotiating Term Loans with Banks and Financial Institutions, Appraisal of Term Loans by Financial Institutions in India.
9. Management of Investment Portfolio, Selection of securities, Timing of buying and selling decisions.
10. Special features of financial management in public sector undertakings.
11. Inflation and financial management.
12. Corporate taxation and its impact on corporate financing.
13. Introduction to International Financial Management—Raising international finance and exchange rate, Risk management, foreign exchange transactions.

## Paper 3—Auditing

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

Level of Knowledge : Expert Knowledge.

**Aim :** To assess whether the students have acquired a sound knowledge of current auditing practices and procedures and can apply them to diverse practical situations.

Detailed Contents :

1. Planning and Programming of Audit

Planning the flow of audit work—interim audit, continuous audit. Division of work between different levels of assistants—problems of supervision—review of audit notes and working papers—principal's ultimate responsibility—question of delegation. Control over

the quality of audit work. Reliance on another auditor, on internal auditor, on an expert.

## 2. Internal Control and Internal Audit

Evaluation of Internal Control procedures—Techniques including questionnaire, flow-chart. Internal Audit and External Audit—Coordination between the two.

## 3. Special Audit Techniques

Selective verification—statistical sampling. Special audit procedures—witnessing physical verification of assets—direct circularisation of debtors and creditors.

Review of accounts on an overall basis—Balance Sheet Audit—Ratio Analysis etc. Improving the efficiency of auditing systems auditing and risk based auditing.

## 4. Audit of Limited Companies

## (a) Auditor's responsibility vis-a-vis

- (i) Statutory requirements under the Companies Act.
- (ii) Audit of branches.
- (iii) Joint audits.

## (b) Concepts of true and fair and materiality in the context of audit of companies.

## (c) Significance of obtaining information and explanation from the management—degree of reliance to be placed thereon.

## (d) Audit reports—Qualifications—Notes on accounts Distinction between notes and qualifications. Detailed observations by the statutory auditor to the management vis-a-vis obligation of reporting to the members. Special reports for prospectus.

## (e) Dividends and divisible profits—financial, legal and policy considerations with special reference to depreciation.

## 5. Special points in audits of public sector companies—Directions of Comptroller and Auditor General under Section 619—concepts of propriety and efficiency audit.

## 6. Special Audit.

## 7. Cost Audit.

## 8. Certification :

Certificates under the Payment of Bonus Act, import/export control authorities, etc.—Distinction between certificates and reports. Specific services to non-audit clients.

## 9. Investigations :

Investigations such as concerning schemes of amalgamation, reconstruction, purchase or sale of business etc.

## 10. Audit under different provisions of the Income Tax Act.

## 11. Special features of audit of banks, insurance companies and co-operative societies.

## 12. Statements/Standards and Guidance Notes : Accounting Standards, Statements on Auditing Practices and guidance notes issued by the Institute connected with accounting and auditing matters—concept of generally accepted auditing practices—audit with reference to such practices—its significance.

## 13. Rights, duties and liabilities of auditors—third party liability—nature and extent.

## 14. Professional ethics and code of conduct.

## 15. Concept of Management and Operational Audit—its nature and purpose, organisation—Audit Programme—Behavioural problems.

## 16. Specific areas of Management and Operational Audit involving review of internal control, purchasing operations, manufacturing operations, selling and distribution, personnel policies, systems and procedures.

17. Special audit assignments like audit of bank borrowers, audit of stock exchange brokers.
18. Computer auditing—specific problems of EDP Audit, need for review of internal control especially procedure controls and facility controls; techniques of audit of EDP output. Use of the computer for internal and management audit purposes—Test packs, computerised audit programmes. Involvement of the auditor at the time of setting up the computer system.

**Paper 4—Corporate Laws**

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Level of Knowledge :** Expert Knowledge.

**Aim :** To test the students' knowledge of the law and practice in respect of Company Law and related Acts.

**Detailed Contents :**

1. The Companies Act, 1956 (Section 146 onwards till end).
2. The Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969.
3. The Foreign Exchange Regulation Act, 1973.
4. The Capital Issues (Control) Act, 1947, and Exemption Order issued thereunder.
5. The Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985.
6. Rules of Interpretation of Statutes, Deeds and Documents.

**GROUP II**

**Paper 5—Advanced Cost Accounting**

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Level of Knowledge :** Expert Knowledge.

**Aim :** To test the understanding of the students regarding the principles and procedures of cost accounting as well as their ability to apply the same to different practical situations for managerial decision making.

**Detailed contents :**

1. Cost Classification and Analysis.
2. Cost Concepts in decision making—Relevant Cost, Differential Cost, Incremental Cost and Opportunity Cost.
3. Marginal Costing—Distinction between marginal costing and absorption costing. Break-even Analysis, Cost-Volume-Profit Analysis; Break-even charts, Contribution margin and various decision making problems like Make or Buy, Shut down or Continue, Expand or Contract, Pricing Decisions in special circumstances, Product Decisions.
4. Problems on decision making such as Retain or Replace, Repair or Renovate, Now or Later, Change vs. Status quo, Sell or Further Process, Own or Lease, Self or Scrap or Retain, Pricing decisions, Product decisions, Marketing and Distribution decisions. Inventory control, Plant location, Product development, Competitive pricing, Price differentials and discounts and Pricing/Marketing strategies.
5. Cost Control as distinct from Cost determination, Control over wastages, scrap, spoilages and defectives.
6. Management Control-Responsibility Accounting, cost, profit and investment centres, problems on transfer pricing using the contribution approach.
7. Standard Costing and Variance Analysis—Material, Labour and Overheads; Reporting of Variances.
8. Cost Reduction—Techniques of cost reduction such as Work Study, Time and Motion Study and Value

Analysis; Employee Participation in Cost Reduction Programmes; Significance of Constituting Special Cost Reduction Cells.

**Paper 6—Systems Analysis, Data Processing & Quantitative Techniques.**  
(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Level of Knowledge :** Working Knowledge

**Aim :** (i) To test the ability of the students to apply techniques of systems analysis and design to design and implement business computer applications.  
(ii) To test the ability of the student to apply quantitative techniques to business problems.

**Detailed Contents :**

1. Basic requirements of MIS—its need, purpose and significance; recognising the need to provide different types of information at different levels of management. Systems approach to management problem solving. Need to instal information systems specially designed to meet the objectives of each business; conceptual knowledge on usage of information for decision making.
2. Systems development process.
3. Concepts of systems analysis and design, programming methods, techniques and tools.
4. Change-over from manual to computerised system related problems and evaluations.
5. Design of computerised commercial applications; financial accounting, inventory control, production control, share accounting, payroll preparation and accounting, sales accounting, invoicing.
6. Computer management-organisation and staffing of the EDP Department.
7. Selection and installation of computer-selection of computer, criteria for selection, evaluation of tenders, financial matters (rent, lease, buy, installation costs), Computer Bureaus.
8. Controls in EDP set up.
9. Standards-management, methods and procedure standards.
10. Security of computer installation, stand-by facilities, Hazards to be guarded for fire, fire detection and extinguishing equipment, action to be taken in the event of fire, how to save the data in such cases. Insurance cover.
11. Quantitative techniques; Linear programming, Transportation, Assignment problems, PERT/CPM.

Statistical decision theory-EVPI, Posterior analysis using Binomial and Normal functions. Queuing Theory-Single channel; Simulation.

**Paper 7—Direct Taxes**

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Level of Knowledge :** Expert Knowledge

**Aim :** (i) To test whether the students have achieved a thorough knowledge of the Income-tax Act, 1961, Wealth Tax Act, 1957, Gift Tax Act, 1958 and the relevant rules and principles emerging from leading cases.  
(ii) To test whether the students have ability to apply their knowledge of the provisions of law to various situations in actual practice with particular reference to areas where tax planning could be undertaken.

**Detailed Contents :**

- (I) Income Tax Act, 1961
- (II) Wealth Tax Act, 1957
- (III) Gift Tax Act, 1958

While covering the Direct Tax Acts, students should familiarise themselves with considerations relevant to tax planning. These may include tax considerations with regard to specific management decision, foreign collaboration agreements, amalgamations, tax incentives, personnel compensation plans, accounting and other precautions to be observed to maximise tax reliefs etc.

#### PAPER 8—INDIRECT TAXES

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

Level of Knowledge : Working Knowledge.

Aims : To test whether the students have acquired a working knowledge of the basic principles of the laws governing Central Excise and Customs.

Detailed Contents :

I. Central Excises and Salt Act, 1944 as amended up-to-date, Central Excise Tariff Act, 1985 as amended up-to-date.

The Customs and Excise Revenues Appellate Tribunal Act, 1986.

1. Nature of Excise Duty, Legislative history, coverage etc. Levy and collection of Excise duties under the Central Excises and Salt Act, 1944, Legal effects of Notifications, Tariff advices, trade notices.
2. Provisions governing manufacture and removal of excisable goods;
3. Valuation under the Central Excises and Salt Act, 1944, Central Excise (Valuation) Rules, 1975, filing and approval of price lists.
4. Classification of goods under Central Excise Tariff Act, 1985, with reference to Rules of Interpretation, filing and approval of classification list.
5. Assessment including provisional assessment, self-removal procedure, payment of duty and rate of duty. Record based control and Production based control.
6. Short levy, non-levy, erroneous grant of refund, duty paid in excess. Refunds and powers of Central Government regarding short levy and non-levy.
7. Licensing procedures, formalities and related bonds.
8. Procedure relating to storage of excisable goods, time and manner of payment of duty, rules relating marking of goods, gate passes and other matters relating to removal of goods.
9. Maintenance of records, registers and filing of returns.
10. Entry/retention of duty paid goods in the factory.
11. Remission of duty on goods used for special industrial purposes.
12. Procedure for exports, duty drawback.
13. Proforma credit and MODVAT.
14. Departmental organisation set-up, Adjudication and Appellate procedures—Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal and the Customs and Excise Revenues Appellate Tribunal.
15. Offences and penalties.
16. Exemptions for small scale industries.

#### II. Customs Act, 1962 and Customs Tariff Act, 1975.

1. Principles governing levy of and exemption from customs duties.
2. Basic principles of classification of goods and valuation of goods.
3. Customs authorities, appointment of customs ports, warehousing stations etc.

4. Provisions governing importation and exportation of goods, Special provisions regarding baggage, goods imported or exported by post, and stores.
5. Detailed procedure in relation to transportation and warehousing.
6. Drawback of customs duties paid".

M. C. NARASIMHAN,  
Secretary

Bombay-400 005, the 2nd June 1989

No. 3WCA(4)/4/89-90.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (i) of section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on request with effect from 1st April, 1989 the name of Shri G. S. BORKAR, (M. No. 1540), B 65/621, M. I. G. Colony, Bandra (East), Bombay-400 051.

M. C. NARASIMHAN,  
Secretary

Madras-600 034, the 25th June 1989

(CHARTERED ACCOUNTANT)

No. 3SCA(4)/2/89-90.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (b) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute at his own request with effect from 1st April, 1989 the name of Shri B. Viswanathan, 59, Second Main Road, Flat No. A-7, Cundhunagar, Adyar P.O., Madras-600 020.

His Membership Number is 13081.

The 30th June 1989

No. 3SCA(5)/5/89-90.—With reference to this Institute's Notification No. 3SCA(4)/10/88-89 dated with 27th January 1989, it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

S. No.	M. No.	Name & Address	Date of Restoration
1	19409	Shri R. Jayakrishna, ACA 5812, Central Drive Everett, WA-98204 U.S.A.	29-5-89
2	21414	Shri Sadanand V. Raikar, ACA, C/o M. K. Shot Vaikunte Building Vidyanagar, HUBLI : 580021.	12-6-89

M. C. NARASIMHAN,  
Secretary.

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS  
ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta, the 25th May 1989

No. 11-CWR(125)/89.—In pursuance of Sub-Regulation (3) of Regulation 11 of Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to Shri P. K. Basak, BCOM, FCMA, FICWA, 26/2, Gariahat Road, Calcutta-700 029, (Membership No. M/409) is cancelled from 25th May 1989 to 30th June 1989 at his own request.

No. 16-CWR(876)/89.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the name of Shri B. Vasantha Rao, BCOM, AICWA, 1048 11nd Stage, Rajajinagar, Bangalore-560 010 (Membership No. M/6416) with effect from 1st April 1989 at his own request.

The 3rd July 1989

No. 11-CWR(126)/89.—In pursuance of Sub-Regulation (3) of Regulation 11 of Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to Shri Tapan K. Dutta, AICWA, J-529, Paharpur Road, Garden Reach, Calcutta-24 (Membership No. M/5835) is cancelled with effect from 27th June 1989 at his own request.

No. 16-CWR(877-78)/89.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Shri R. Manikam, FICWA, 9, Shanti, 2nd Road, Chembur, Bombay-400 071 (Membership No. M/960) with effect from 17th October 1988 and (2) Shri S. Jayaraman, BCOM, AICWA, 29, Naresh Mitra Sarani, Calcutta-700 025 (Membership No. M/4805) with effect from 9th June 1989 on account of death.

D. C. BHATTACHARYYA  
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 21st July 1989

No. N-15/13/13/2/85 P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16-7-89 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the U.P. Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of U.P. namely :—

"In the revenue villages of Ralpur, Noorpur, Kniyanbut, Bhupatpatti, Dhansua, Allapur, Bholapur, Papihapur, Bhavpur, Narainpur, Satanpur, Allangar, Alias, Barhpur, Khanpur, Chandpur, Nekpur-Kala, Nekpur-Khurd and Kharbandi in the main city of Farrukhabad and within the Municipal limits of Allanagar, Berhpur, Farrukhabad and Fatehgarh in Pargana of Pahara Tehsil Sadar, Farrukhabad."

No. N-15/13/13/4/82 P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16-7-89 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the U.P. Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of in-

sured persons in the following area in the State of U.P. namely :—

"In the revenue area of Jindal Nagar, Hindan Nagar, Dosana Gaian, Pilkua, Hapur Road, Ghaziabad."

S. GHOSH  
Director (Plg. & Dev.)

New Delhi, the 18th July 1989

No. U-16/53(1)/89-Med.II(Mah.)—In pursuance of the resolution passed by E.S.I. Corporation, at its meeting held on 25th April, 1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulations 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. (Mrs.) Kansara to function as medical authority w.e.f. 27-6-89 for one year or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Dadar area (Bombay) at a monthly remuneration as per existing norms, on the basis of number of insured persons for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

The 20th July 1989

No. U-16/53(1)/89-Med.II(Mah.)—In pursuance of the resolution passed by E.S.I. Corporation, at its meeting held on 25th April, 1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulations 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. B. R. Chaugule to function as medical authority for one year w.e.f. 18-7-89 or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Ichalkaranji area at a monthly remuneration as per existing norms, on the basis of number of insured persons for the purpose of medical examination of the insured persons for the purpose of medical examination of the incorrectness of the original certificates is in doubt.

DR. K. M. SAXENA  
Medical Commissioner

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

REGIONAL OFFICE ORISSA

Bhubaneswar-751007, the 31st January 1989

Sub : Re-constitution of Local Committee, IDL Chemicals Area, Rourkela.

No. 44-V-34/12/12/82-Cornd.—It is hereby notified that the Local Committee set up under Regulation 10-A of the ESI (General) Regulation, 1950, for the I.D.L. Chemicals area, Rourkela in the State of Orissa has been re-constituted with the following officials and persons as Chairman and members.

1. Under Regulation 10(A) (i) (a) :

Deputy Labour Commissioner, Chairman  
Rourkela

(nominated by the Chairman,  
Regional Board),

2. Under Regulation 10(A) (i) (b)

District Labour Officer, Rourkela Member  
(nominated by the Govt.)

3. Under Regulation 10(A) (i) (c) :

I.M.O. I/c, ESI Dispensary Member  
Sonaparbat ((IDL Chemicals)  
(nominated by the Director,  
ESI Scheme/Govt.)

## 4. Under Regulation 10(A) (i) (d) :

## Employer's Representatives

(1) Sri S. Panda, Labour Welfare Officer, M/s. IDL Chemicals Ltd., Rourkela.	Member
(2) Sri B. K. Mohanty, Asst. Manager (Finance), M/s. IDL Chemicals Ltd., Rourkela.	Member

## 5. Under Regulation 10(A) (i) (e) :

## Employees' Representatives.

(1) Sri A. K. Mohanty, Secretary, IDL Workers Union, Rourkela.	Member
(2) Sri B. B. Brahma, IDL Workers Union, Rourkela.	Member
(3) Sri A. Dutta Dass,, General Secretary, Indian Detonators Mazdoor Sabha, Rourkela.	Member

## 6. Under Regulation 10(A) (i) (f) :

Manager, Local Office, ESIC, Rourkela (nominated by the ESIC)	Member and Ex- Officio Secretary
---	---

The re-constitution takes effect from the date of its notification.

VIJAY KUMBHARE,  
Regional Director

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

## (DEPARTMENT OF POSTS)

New Delhi-1, the 18th July 1989

## NOTICE

No. 25-11/89-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is

## SCHEDULED—I

S. No.	Name and address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	M/s. Lallubhai Amichand Ltd., 225/27, J. Dadajee Road, P. B. No. 4075, Bombay-400007. (With H. O., Central Office & Factory at Bombay)	MH/354	1-11-1987
2.	M/s. Mahindra Ugine Steel Co. Ltd., Bakhtawar Nariman Poin, Bombay-400021. (Both H. O. & Plant at Bombay)	MH/7123	1-6-1988
3.	M/s. Dai-ichi Karkaria Ltd., Liberty Building, Sir Vithaldas Thackersey Marg. (New Marine Lines), Bombay-400020.	MH/7222	1-3-1988
4.	M/s. Kulkarni Engineering Associates P. Ltd., 195/6, Industrial Estate, Sangli 416416.	MH/7506	1-6-1987

hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insurants. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies:—

Sl. No.	Policy No. & Date dated	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1	325525-P dated 1-1-1978	Shri R.S. Kalmath	5,000/-

JYOTSNA DIESH  
Director (PLI).

MINISTRY OF LABOUR  
OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND  
COMMISSIONER

New Delhi-110 001, the 8th July 1989

No. S.O. .... WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C., Bombay, Maharashtra from the operation of the said Scheme for and upto a period of three years.

(1)	(2)	(3)	(4)
5.	M/s. Industrial Jewels Private Ltd., 32, Ramji Bhai Kamani Marg, Ballard Estate, Bombay-400038.	MH/11258	1-10-1987
6.	M/s. Special Steels Ltd., Bead Wire Plant, Plot No. A-6, Tarapur Industrial Area, P. O. Boisar. Distt. Thane-401506.	MH/16039	1-11-1987
7.	M/s. Bharat Shot Blastings, 6, Anupam Industrial Estate No. 1, Opp. Ralli Wolf. L.B.S. Marg, Mulund (West), Bombay-400080.	MH/23794	1-7-1988

## SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Provident Fund Commissioner and, as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.

(No. 2/1959/DLI/Exemp/89) Pt. I) 397

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner

## CENTRAL COUNCIL OF INDIAN MEDICINE

Central Council of Indian Medicine (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) Regulations, 1986

New Delhi-110055, the 13th July 1989

In exercise of the powers conferred by clauses (i) and (j) of section 36 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Council of Indian Medicine with the previous sanction of the Central Govt., hereby makes the following regulations further to amend the Indian Medicine Central Council (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) Regulations, 1986, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Medicine Central Council (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) (Amendment) Regulations, 1989.

(2) These regulations shall come into force with effect from 1st day of July, 1989.

2. In the Indian Medicine Central Council (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) Regulations, 1986, for the existing Schedule I, the following shall be substituted, namely:—

## SCHEDULE I

## 1. AIMS AND OBJECTS :

Ayurvedic education should aim at producing graduates of profound scholarship having deep basis of Ayurved with scientific knowledge in accordance with Ayurvedic fundamentals with extensive practical training who would be able and efficient teachers, research workers and Kaya-chikitsakas (Physicians) and Shalayachikitsaks (Surgeons) fully competent to serve in the medical and health services of the country.

## 2. ADMISSION QUALIFICATIONS :

(i) 12th Standard with Science (Physics, Chemistry and Biology) and Sanskrit.

Wherever provision and facilities for teaching Sanskrit as optional subject are not available at 12th Standard (Biology Science Group), the students with 12th Standard (Biology Science Group) be admitted and Sanskrit be taught in main course

OR

Uttar Madhyama of Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalaya with Science and English.

OR

Any other equivalent qualification recognised by State Governments and State Education Boards concerned with the examination.

(ii) The Pre-Ayurved course of one year duration in respect of Uttar Madhyama or Higher Secondary/P.U.C. preferably with Sanskrit or an examination equivalent thereto and Pre-Ayurved Course of two years duration in respect of Purvamadhyama or S.S.L.C./Matriculation preferably with Sanskrit or an examination equivalent thereto, however, will continue till 1990 if the State Government or University so desires.

## 3. MINIMUM AGE FOR ADMISSION :

(a) 15 years as on 1st October in the year of admission for first year of Pre-Ayurvedic Course.

(b) 16 years as on 1st October in the year of admission for second year of Pre-Ayurvedic Course.

(c) 17 years as on 1st October in the year of admission for Main Ayurvedic Course.

## 4. DURATION OF COURSE :

(i) Pre-Ayurved Course—2/1 years

(ii) Degree Course—5½ years

(a) I Professional—18 months

(b) II Professional—18 months

(c) III Professional—2½/18 months

(d) Internship—6/12 months

The period of internship will be of 12 months in case of total duration of course of study is covered under 4½ years. In case of 12 months internship training, the six months of training be provided for clinical training under various departments. The State/University desiring to continue 6 months internship may adopt Third Professional Course of 24 months so that total duration of course including internship will be of 5½ years.

The first 18 months shall be occupied in the study of the non-clinical subjects. No student shall be permitted to appear in Third Professional examination until he/she has passed in all the Second Professional subjects.

## 5. DEGREE TO BE AWARDED :

Ayurvedacharya (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery).

The candidate shall be awarded Ayurvedacharya (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery) degree after completion of prescribed courses of study extending over the prescribed period and passing the final examination and satisfactorily completion of six months/one year compulsory internship after the final examination.

## 6. MEDIUM OF INSTRUCTION :

Sanskrit, Hindi or any recognised regional language.

## 7. THE NUMBER OF STUDENTS TO BE ADMITTED :

The admission should be made strictly in accordance with the student-bed-ratio of 1:3 i.e. on the basis of 3 beds in the hospital attached with the college one student should be admitted every year.

The minimum number of students to be admitted in an Ayurvedic College should be 20.

## 8.1 FIRST PROFESSIONAL EXAMINATION : (To be held at the end of 1½ years)

(i) The first professional period shall start from 1st day of July and end on 31st December next year. The examination shall ordinarily be completed by the end of December. The Supplementary examination of First Professional shall be held within two months of declaration of result. The subsequent First Professional examination will be held every six months and failed candidate shall ordinarily be allowed 3 chances for passing First Professional.

However, a student failed in one or more subjects of First Professional examination may be allowed to keep term in Second Professional Course. Only those students who passed in all subjects, shall be allowed to take or the Third Professional examination.

(ii) The First Professional examination shall be held in the following subjects :—

1. Padarth Vigyan
2. Astang Sangraha (Sutrasthan)
3. Sanskrit
4. Ayurved Ka Itihas
5. Rachna Sharir
6. Kriya Sharir.

(iii) The candidates before presenting themselves for this examination shall obtain a certificate of completing the prescribed course of theory and practicals in the prescribed subjects of the First Professional examination.

(iv) A candidate failed in one or more subjects in examination shall be eligible to appear in supplementary examination.

(v) Candidates who fails to pass the First Professional examination in three opportunities shall not be allowed to continue their studies. However, in case of personal illness of a serious nature of a candidate and in unavoidable conditions/circumstances, the Vice-Chancellor of University may permit one more opportunity for passing the first professional course.

## 8.2 SECOND PROFESSIONAL EXAMINATION : (To be held at the end of three years)

(i) The Second Professional Course shall start in January following the First Professional examination and the examination shall be held ordinarily in June/July of year after completion of three years.

(ii) The Second Professional examination shall be held after 1½ years of First Professional examination and in the following subjects :—

- (1) Ras Sastra Avam Bhasajya Kalpana
- (2) Dravyagun Vigyan
- (3) Agad Tantra, Vyavhar Ayurved Avam Vaidyak
- (4) Rog Vigyan Avam Vikriti Vigyanam
- (5) Charak Samhita
- (6) Svasth Vritta.

(ii) A candidate must pass atleast one subject for being eligible to appear in supplementary examination.

(iv) The Supplementary examination to Second Professional shall be held ordinarily in September and those who remain failed in one or more subjects in supplementary examination shall be eligible to appear in the subsequent Second Professional examination which may be held every six month.

(v) Such candidates who pass First Professional examination in supplementary and register for the Second Professional afterwards, shall not be allowed summer vacation and will have to undergo instructions during this period.

**8.3 THIRD PROFESSIONAL EXAMINATION:** (To be held at the end of 4½ years).

(i) The final Professional Examination shall be held after three academic years after the First Professional Examination and shall comprise of the following subjects :—

1. Prasuti Tantra Strioga
2. Kaumar Bhritya
3. Kaya Chikitsa
4. Shalya Tantra
5. Shalakya Tantra
6. Charak Samhita.

(ii) If a candidate remains failed in one or more subjects in Final Professional examinations he/she shall be eligible to appear in those subjects in subsequent Third Professional examination which may be held every sixth month.

**9. COMPULSORY INTERNSHIP :**

(a) The compulsory rotating Internship shall be completed in the teaching hospital/Ayurvedic hospital as available in respective States and dispensary and Primary Health Care Centres for the period of 6/12 months after passing the final examinations.

(b) On full completion of the Internship as certified by the Principal on the recommendations of the authorities under whom the training was done, the candidate shall be eligible for the award of Ayurvedacharya (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery) Degree.

10. (a) The following factors may be taken into consideration in determining class work in the subject :—

- (i) Regularity in Attendance
- (ii) Periodical tests
- (iii) Laboratory record, note book and clinical history sheets as required.

(b) A class schedule card shall be maintained for each student for the different examination. The Principal shall arrange to obtain the signature of the students, teachers at the end of each course of lectures and practical instructions and send the cards to each Head of the Departments for final completion before the commencement of each examination.

(c) The card shall contain a statement the student has attended not less than 3/4 of the theory lectures and practical classes and not less than 85% of clinical instructions of which the course consists. This card shall be submitted to the examiners as required.

**11. EXAMINATION :**

(a) (i) A candidate obtaining 75% marks in the subject shall be awarded distinction in the subjects.

(ii) A candidate obtaining an aggregate of 75% in the following subjects shall be declared passed in final examination with honours :—

1. Padarthavigyan
2. Rachna Sharir/Kriya Sharir
3. Dravyaguna Vigyan/Rasashastra
4. Kayachikitsa/Rog Vigyan
5. Shalya Tantra/Shalskya Tantra/Prasuti Tantra.

(iii) Only those candidates shall be considered for honours or distinction who have passed the degree examination in the first attempt each part. As regards distinction in subjects, only those will be qualified for distinction who passed the respective professional examination in the first attempt.

(b) If a candidate has passed at least in one subject of the Professional Examination and failed in one or more subjects, securing not less than 35% marks, shall be eligible to appear at the supplementary examination. The aggregate shall be calculated in theory and practical combined

(c) The minimum pass marks shall be 50% in theory and practical separately in each subject.

**12. NUMBER OF PAPERS AND MARKS FOR THEORY/PRACTICAL :**

Subject	No. of paper	Total Marks in theory	Total Marks in practical/oral
1. Ayurved Ka Itihas	One	100	—
2. Sanskrit	Two	200	50
3. Padarth Vigyan	Two	200	50
4. Astang Sangrah	One	100	50
5. Rachna Sharir	Two	200	200
6. Kriya Sharir	Two	200	100
7. Swastha Vritta	Two	200	100
8. Dravyagun Vigyan	Two	200	200
9. Ras Shastra Bhaishajya Kalpana	Two	200	100
10. Agad Tantra Vyavhar Ayurved Avam Vidhi Vaidyak	One	100	100
11. Rog Vigyan Avam Vikriti Vigyan	Two	200	100
12. Charak Samhita	One	100	50
13. Prasuti Tantra Avam Striog	Two	200	100
14. Kaumar Bhritya	One	100	100
15. Kaya Chikitsa	Four	400	200
16. Shalya Tantra	Two	200	100
17. Shalakya Tantra	Two	200	100
18. Charak Samhita	One	100	50

**13.1 NUMBER OF LECTURES PRACTICAL AND DEMONSTRATIONS FOR VARIOUS SUBJECTS :**

Subject	Lectures	Practicals and Demonstrations
<b>SUBJECTS OF FIRST PROFESSIONAL</b>		
1. Ayurved Ka Itihas . . . . .	60	—
2. Sanskrit . . . . .	150	—
3. Padarth Vigyan . . . . .	150	30
4. Astang Sangrah . . . . .	60	—
5. Rachna Sharir . . . . .	210	210
6. Kriya Sharir . . . . .	210	90
<b>SUBJECTS OF SECOND PROFESSIONAL</b>		
7. Swastha Vritta . . . . .	180	50
8. Dravyagun Vigyan . . . . .	180	90
9. Ras Shastra Avam Bhaishajya Kalpana . . . . .	180	90
10. Agad Tantra, Vyavhar Ayurved Avam Vidhi Vaidyak . . . . .	100	50
11. Rog Vigyan Avam Vikriti Vigyan . . . . .	180	90
12. Charak Samhita . . . . .	100	—
<b>SUBJECTS OF THIRD PROFESSIONAL</b>		
13. Prasuti Tantra Avam Striropa . . . . .	150	In hospital 3 months
14. Kaumar Bhritya . . . . .	90	1 month
15. Kaya Chikitsa . . . . .	400	12 months
16. Shalya Tantra . . . . .	210	6 months
17. Shalakya Tantra . . . . .	210	4 months
18. Charak Samhita . . . . .	100	—

**NOTE :** The period of theory and practical shall not be less than 60 minutes (one hour) duration. The duration of the practical of clinical subjects and Rachna Sharir (Dissection) shall be of at least 120 minutes (two hours).

13.2. The clinical training in the hospital attached with college to the students shall be as below :—

(i) **KAYACHIKITSA (INDOOR AND OUTDOOR) : 12 MONTHS**

- (a) General—6months
- (b) Panch Karma—2 months
- (c) Manas Rog—15 days
- (d) Sankramak Rog—15 days
- (e) X-Ray—1 month
- (f) Atiyayik—2 months

(ii) **SHALYA TANTRA (INDOOR) : 6 MONTHS**

- (a) General—5 months (atleast one month in O. T.)
- (b) Atiyayik—1 month

(iii) **SHALAKYA TANTRA (INDOOR AND OUTDOOR) : 4 MONTHS**

- (a) General—3 months (atleast one month in O. T.)
- (b) Atiyayik—1 month

(iv) **PRASUTI TANTRA AVAM STRIROP . 3 MONTHS**

(v) **KAUMAR BHRITYA : 1 MONTH**

**14. QUALIFICATIONS AND EXPERIENCE FOR TEACHING STAFF :**

(Applicable for recruitments made after 1st July, 1989)

(i) **ESSENTIAL :**

- (a) A degree in Ayurved from a University established by law or a Statutory Board/Faculty/Examining Body of Indian Medicine or its equivalent as recognised under Indian Medicine Central Council Act, 1970.
- (b) A post-graduate qualification in the subject/ speciality concerned included in the schedule to Indian Medicine Central Council Act, 1970.
- (c) Adequate knowledge of Sanskrit.

(ii) **EXPERIENCE :**

- (a) **FOR THE POST OF PROFESSOR**—Total teaching experience of ten years in the Department is necessary out of which there should be five years teaching experience as Reader/Asstt. Professor or ten years experience as a Lecturer in the concerned subject wherever the posts of Reader/Asstt. Professor do not exist.

- (b) **FOR THE POST OF READER**—Total teaching experience of five years in the subject is necessary out of which there should be three years teaching experience as Lecturer in the subject concerned.

- (c) **FOR THE POST OF LECTURER**—No teaching experience is required.

(iii) **DESIRABLE :**

Original published papers/books on the subject.

NOTE : If the Post-graduate qualification holders for the following subjects are not available, the Post-

graduate qualification obtained in the subject as noted against the subject shall be admissible : -

Name of Subject	Discipline of Post-graduate
1. Swastha Vritta	1. Kaya Chikitsa
2. Agad Tantra	2. Basic Principles
3. Padarth Vigyan/Samhita/Itihas	1. Kaya Chikitsa
4. Rog Vigyan	Basic Principles
5. Rachna Sharir/Kriya Sharir	Kaya Chikitsa
6. Shalakya	1. Sharir
7. Nischetna Avam Ksha-Kiran	2. Basic Principles
	Shalakya/Shalya
	Shalya and/Shalakya

R. K. JAIN,  
Registrar-cum-Secretary  
Central Council of Indian Medicine